जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 4 जून, 2023

जयपुर में 3000 की रेट से कोठी कहीं नहीं मिले तो...

केडिया है ना !

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर
एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

2 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1350 SF	45 लाख
3 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1900 SF	50 लाख
3 BHK BIG कोठी	2000 SF	60 लाख
4 BHK BIGGER कोठी	2325 SF	70 लाख
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 SF	1 करोड़

KEDIA

1800 120 2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

विचार बिन्दु

करता सा सो क्यों किया, अब करि क्यों पछताए
बोवे पेड़ बबूल का, आम कहाँ से खाए। –कबीर

व्याधिक्षमत्व क्या है?

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। भगवान आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया:– भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है। आत्रेय का उत्तर था:– अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे– ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा कि क्यों कुछ लोग प्राय: कभी बीमार नहीं पडते। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें जीवन के अंतिम दिन तक लगभग सभी क्लिनिकल पैरामीटर्स सामान्य बने रहते हैं। जैसा कि आपने पूर्व में पढा, वस्तुत: इस चमत्कार के पीछे कोई चमत्कार नहीं बल्कि व्याधिक्षमत्व है। प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक व्याधिक्षमत्व सिद्धांत-प्रिन्सिपल ऑफ़ इम्यूनिटी-के जनक माने जाते हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पडता है। यदि बीमार पड भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढापे की उम्र में ही बूढा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तुसमसंहननोनर:। दृढेन्द्रियोविकाराणां न बलेनाभिभूयते।। क्षुत्पिपासातपसह: शीतव्यायामसंसह:। समपक्तासमजर: सममांसचयोमत:।।

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। किसी व्यक्ति में व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो-कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होने से रोगजनन आसानी से होता है। इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेत रक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन-शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधि क्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी केबल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36): त्रिविधंबलमिति- सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजंयच्छरीरसत्त्वयो: प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजंवय: कृतं च, युक्तिकृतंपुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19) रसादीनां शुक्रान्तानां धातूनां यत्परंतेजस्तत्खल्वोजस्तदेव बलमित्युच्यते स्वशास्त्र सिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तुबलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौज:स्मृत:काये स च पाप्मोपदिश्यते।। यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि-बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदहारण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में सम प्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अत: व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक-शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार-शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम-शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्व का रोगों से बचाव और उपचार में अनिवार्यता को देखते हुये यह प्रश्न स्वाभाविक है कि व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने के लिये कौन सी युक्ति का क्रियान्वयन किया जाये? व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं व मल क्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। यह विषय इतना विस्तृत है कि पूरा आयुर्वेद इसमें समाहित है। तथापि संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये सात रक्षा-दीवारों की निरंतर और सम्यक सार-सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें (1) आहार या खानपान, (2) विहार या जीवनशैली, (3) स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, (4) सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, (5) पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, (6) रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंतत: (7) औषधि या चिकित्सा शामिल हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

भक्ति काल के सर्वश्रेष्ठ समाज सुधारक सर्वधर्म सुखाय के जनक महात्मा संत कबीर

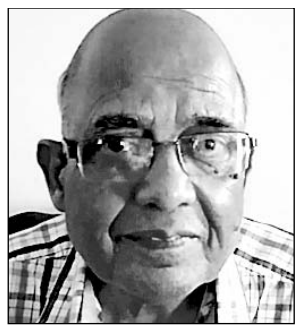

डॉ. जे के गर्ग

अनेको मान्यताओं के अनुसार काशी के एक जुल्लाह नीरू अपनी बीबी नीमा का गोना कराकर लहरतारा तालाब से होते हुए घर आ रहे थे तो उसकी बीबी नीमा को प्यास लगने लगी, तब दोनों तालाब पर पानी पीने लगे। तब उन्होंने एक टोकरी में फूल-पत्ते की शय्या पर एक नवजात शिशु को देखा। नीरू-नीमा उस शिशु को उठाकर अपने घर ले आये और उसका लालन-पालन करने लग गये । वही बालक कबीर के नाम से प्रख्यात हुआ । इस प्रकार कबीर साहेब का जन्म-स्थान काशी है । कुछ लोगों का विचार है कि नीरू-नीमा को अपने गौना के समय नहीं, किन्तु उसके कई वर्षों के बाद लहरतारा पर बालक को देखा था । सवाल उत्पन्न होता है कि शिशु लहरतारा तालाब पर कहाँ से आया ? इस बारे में मान्यता है कि एक विधवा या कुमारी ब्राह्मणी की कोख से यह शिशु पैदा हुआ था, वो समाज से अपमानित होने के भय से नवजात बालक को लहरतारा तालाब पर छोड़ गयी थी। इस तरह से कबीर जन्म से हिन्दू थे किन्तु उनका लालन-पालन मुस्लिम परिवार के अंदर हुआ था ।

बालक कबीर की शादी बचपन में ही कर दी थी । कबीर दास जी की पत्नी का नाम लोई था कबीर दास जी के एक पुत्र और एक पुत्री भी थी पुत्र का नाम कमाल था और पुत्री का नाम कमाली था यह उनकी रचनाओं द्वारा प्रमाणित होता है।

मान्यताओं के अनुसार सदुरु कबीर का जन्म विक्रमी संवत 1456 की जेष्ठ शुल्क पूर्णिमा को काशी में हुआ था । कबीर पंच तत्वों में विलीन माघ शुक्ल एकादशी संवत् 1575 को मगहर में हुए थे। कबीर साहेब ने 120 वर्ष तक सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश दिया था। समस्त देश के अंदर 4 जून 2023 को संत कब्बर का जन्मोत्सव हर्ष उल्लास के साथ मनाया जायगा ।

कबीर दास जी काशी के गंगा घाट के किनारे रहा करते थे ऐसा कहा जाता है कि कबीर दास जी गंगा घाट के किनारे बैठे हुए थे तभी वहां पर भक्गुति काल के प्रमुख गुरु रामानंद जी स्नान कर रहे थे रामानंद की नजर कबीर दास पर पड़ी जिसके कारण कबीर के मुंह से राम शब्द निकल पड़ा, इसी राम शब्द को सुनकर गुरु रामानंद अत्यधिक प्रसन्न हुए तभी से रामानंद ने कबीर दास जी को अपना शिष्य बना लिया। उन्हें शिक्षा दी इस प्रकार कबीर दास जी के गुरु श्री रामानंद जी थे गुरु रामानंद जी ने कबीर दास को ज्ञान और भक्ति के दर्शन कराएं तथा उनके ज्ञान को विकसित करने में गुरु रामानंद जी ने भूमिका निभाई। कबीर दास जी संत के साथ-साथ दार्शनिक कवि और समाज सुधारक भी थे। कबीर दास जी की मुख्य रचनाएं (1) कबीर की साखियां (2) सबद (3) रमणी हैं । कबीर दास जी की सर्वोत्तम रचनाओं में उन पुस्तक सबद भी है है इस रचना में कबीर दास जी ने प्रेम और अंतरंग साधना का वर्णन खूबसूरती से किया गया है। संत कबीर की साखियां में ज्यादातर कबीर दास जी की शिक्षाओं का उल्लेख मिलता है और उसके सिद्धांतों का वर्णन इस रचना में बखूबी से किया गया है। कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन काशी में रहकर ही लोगों के कल्याण के लिए और सामाजिक बुराइयों और कुरुतियों का अंत करने के लिए लगा दिया मृत्यु के समय कबीरदास जी मगहर चले गए जो कि उत्तर प्रदेश में पड़ता है ऐसा कहा जाता है कि उस समय मगहर में रहने वाले लोगों को नर्क की प्राप्ति होती थी कबीर दास जी ने इसी अंधविश्वास को झूठा साबित करने के लिए मगहर चले गए कबीर दास जी की मृत्यु के समय मगहर चले गए ताकि समाज में फैली हुई अंधविश्वास को जड़ से रोका जा सके।

कबीर की निष्पक्षता, दो टूक कहने का ढंग और बड़े-बड़े रहस्यात्मक गुत्थियों को सरल-सहज उपमाओं के द्वारा व्यक्त करने की शैली की वजह कबीर को भक्ति काल के संतों में प्रमुख संत माना गया है। कबीर मानत थे कि मेरे पास अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति, मेरी शारीरिक-मानसिक शक्ति, सब कुछ तुम्हारी ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है तो उसके प्रति ममता कैसी? तेरी दी हुई वस्तुओं को तुम्हें समर्पित करते हुए मेरी क्या हानि है? इसमें मेरा अपना लगता ही क्या है?

यह माया बड़ी पापिन है। यह प्राणियों को परमात्मा से विमुख कर देती है तथा उनके मुख पर दुर्बुद्धि की कुंडी लगा देती है और राम-नाम का जप नहीं करने देती। अत: संत कहते है की कबीरमाया पापणीं, हरि सूँ करे हरामा। मुखि कड़ियाली कुमति की, कहण न देई राम।। यह माया बड़ी पापिन है। यह प्राणियों को परमात्मा से विमुख कर देती है तथा उनके मुख पर दुर्बुद्धि की कुंडी लगा देती है और राम-नाम का जप नहीं करने देती। बेटा पैदा होने पर हे प्राणी थाली बजाकर इतनी प्रसन्नता क्यों प्रकट करते हो? जीव तो चौरासी लाख योनियों में वैसे ही आता-जाता रहता है जैसे जल से युक्त नाले में कीड़े आते-जाते रहते हैं। कबीर ने बतलाया कि यह तुम्हारी मूर्खता है कि तुम पहले जाति पूछते हो, फिर उसके हाथ का पानी पीते हो। तुम जिस मिट्टी के घर में बैठे हो उसमें सारी सृष्टि समाई हुई है।

छप्पन करोड़ यादव और अठासी हज़ार मुनि यहाँ डूब गए और क़दम-क़दम पर गड़े हुए पैग़म्बरों की लाशें सड़कर मिट्टी हो गई है। अरे पाँड़े, ये बर्तन उसी मिट्टी के हैं और तुम जाति पूछकर पानी पीते हो। इस पानी में मगर, कछुए और घड़ियाल बच्चे देते हैं और उनका ख़ून पानी में मिल जाता है। इस नदी के पानी में सारा नर्क (गंदी चीज़ें) बहकर आता है और जानवर और इंसान सब इसमें सड़ते हैं। जब हड्डी और गूदा गल जाता है तब दूध बनता है। इस दूध को लेकर पाँड़े भोजन करने बैठते हैं लेकिन सारी छुआछूत मिट्टी में मानते हैं। हे पाँड़े, वेद और क़ुरान सबको छोड़ दो। ये सब दिल का धोखा है। कबीर कहते हैं कि ये तुम्हारे कर्म हैं जो तुम्हारे सामने आते हैं। शाश्वत सत्य की बातें कहते हुए भी किसी परंपरा से जुड़े रहकर किसी धर्मग्रंथ, ईश्वर-अवतार, पैगंबर आदि की बैसाखी पकड़े रहे, वहाँ कबीर सारी परंपराओं से हटकर सबके सार-तत्व को स्वीकार करते हुए पक्षपात नहि बचन, सबहिं के हित की बातें कहते रहे, वह भी सरे बाजार चौराहे पर खड़े होकर एक अकेला और निद्वन्द्व ।

उनकी सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता ने उनके व्यक्तित्व को ऐसा महनीय मोहक और चुम्बकीय बना दिया था कि जो उनके पास गया, उनका ही होकर रह गया । कबीरदेव ऐसे महत्तम संत हैं जो केवल भारतीय परंपरा ही नहीं, अपितु विश्व मानवता के मूल उत्स को पकड़ते हैं और सबको वहीं ले जाना चाहते हैं, जहाँ पहुँच कर वर्ण, वर्ग एवं मत-पंथगत सारे भेदभाव निस्सार हो जाते हैं और जहाँ से प्रेम की निर्मल, स्निग्ध और शीतल धारा प्रवाहित होकर सबको सराबोर कर देती है।

पूरी मानवता को आत्मसात करने वाली प्रेम की निर्मल धारा में निमज्जित होकर सत्यनिष्ठ कबीरदेव ऐसे चौराहे पर खड़े हैं, जहाँ सारे रास्ते आकर मिलते हैं। यह कहना अत्युक्ति न होगी कि कबीर में पूरी मानवता का सार समाया हुआ है ।

कुछ विद्वान कबीर साहेब को आजीवन गृहस्थ बताते हैं और कुछ बताते हैं कि वे पहले गृहस्थ थे किन्तु पीछे से विरक्त हो गये थे ।

यह सर्वविदित है कि कबीर साहेब 'देश विदेश हौं फिरा' होते हुए भी जीवात्मा कह रही है कि 'तू है' 'तू है' कहते-कहते मेरा अहंकार समाप्त हो गया। इस तरह भगवान पर न्यौछावर होते-होते मैं पूर्णतया समर्पित हो गई।

– डॉ . जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा जयपुर

बीकानेर में तापमान फिर चालीस के पास पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। मौसम धीरे धीरे फिर से गर्मी की ओर बढ़ने लगा है। बेक टू बेक दो पश्चिमी विक्षोभ के चलते बीकानेर में तापमान में दस से बारह डिग्री सेल्सियस की कमी आई, जो अब धीरे धीरे बढ़ने लगी है। इसके बाद भी अब तक तापमान सामान्य से 7.7 डिग्री सेल्सियस कम है। सामान्यतया इन दिनों में बीकानेर में पारा 46 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है लेकिन अभी 39 डिग्री तक पहुंचा है। कमोबेश ऐसी ही स्थित रात के तापमान की है, जो सामान्य

■ सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस कम था पारा

से पांच डिग्री सेल्सियस तक कम है।

आंधी-तूफान और बारिश के चलते बीकानेर में तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। पिछले एक सप्ताह में पारा करीब दस डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। पहले जहां तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था, वहीं अब चालीस तक भी नहीं आया। आगे पश्चिमी विक्षोभ की संभावना नहीं है, ऐसे में पारा बढ़ेगा। खासकर छह जून के आसपास बीकानेर के तापमान का ग्राफ 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। आमतौर पर इतना ही पारा बीकानेर में जून के पहले सप्ताह में रहता भी है। अगर कोई नया पश्चिमी विक्षोभ बन गया तो इस बार गर्मी से पूरी राहत मिल जाएगी।

दो-तीन बार हुई बारिश के बाद भी किसानों को कोई फायदा नहीं हुआ। किसान के खेत में फसल नहीं थी। जिन किसानों ने फसल काटकर रखी हुई थी, उनकी फसल उड़ गई या फिर भीग गई। ऐसे किसानों को नुकसान ही हुआ। बारिश के कारण पानी का संकट कम रहा। इंदिरा गांधी नहर बंदी के बावजूद जलदाय विभाग को ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा। दरअसल, मौसम सही होने से कूलर ने कम पानी लिया। इससे पानी का संकट ज्यादा नहीं हुआ। जिन क्षेत्रों में जलदाय विभाग पूरी आपूर्ति नहीं कर सका, वहीं पर लोगों को टैंकर मंगवाने पड़े।

किसानों का महापड़ाव जारी

चूरू, (कासं)। बकाया फसल बीमा क्लेम सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर किसान सभा का महापड़ाव शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा।

अखिल भारतीय किसान सभा के सदस्य भगत सिंह ने बताया कि बकाया फसल बीमा क्लेम, क्रॉप कटिंग के आधार पर बीमा, किसानों को 6 घंटे बिजली, मनरेगा में छह सौ रुपये का भुगतान सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की मांगों को नहीं माना जायेगा, तब तक कलेक्ट्रेट का अनिश्चितकालीन घेराव जारी रहेगा।

विश्व साइकिल दिवस पर रैली निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर शनिवार को सरकारी कार्मिकों व पर्यावरण संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व आमजन की सहभागिता से भीलवाड़ा शहर के पुलिस कन्ट्रोल रूम परिसर से साइकिल रैली का आयोजन कर आमजन को पर्यावरण बचाने व स्वस्थ रहने के लिए साइकिल चलाने का संदेश प्रसारित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण व अच्छे स्वास्थ्य की जागरूकता से जुडे स्लोगन व नारों के माध्यम से जागरूकता फैलाकर साइकिल चलाने के लिए प्रेरित किया गया।

भीलवाड़ा में चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में विश्व साइकिल दिवस पर रैली निकाली।

साइकिल रैली को अति. जिला कलक्टर (शहर) ब्रह्मालाल जाट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुस्ताक खान, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. घनश्याम चावला, अति. सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल तथा साइकिल क्लब, संकल्प पर्यावरण संस्थान, अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब, वरिष्ठ नागरिक मंच, लियो युथ ग्रुप के सदस्यों सहित अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, डीपीसी, एनसीडी सुमित श्रीमाली, एफसीएलसी एनसीडी पीयूष पुरोहित सहित सीएमएचओ कार्यालय के अन्य अनुभाग अधिकारी व साइकिलिंग करने वाले प्रतिभागी मौजूद रहे। यह रैली शहर के पुलिस कंट्रोल रूम से शुरू होकर गोल प्याऊ, महात्मा गांधी अस्पताल, रामद्वारा, श्रीगेस्ट हाउस, रोडवेज बस स्टैंड, हरिशेवा धर्मशाला होती हुई सूचना केंद्र चौराहे तक जाने के बाद पूरी हुई। अति. जिला कलेक्टर ब्रह्मालाल जाट ने रैली को रवाना करते हुए संदेश दिया कि हमें अगर स्वस्थ रहना है, तो अपने जीवन में साइकिलिंग करना अनिवार्य है। पर्यावरण के लिहाज से भी साइकिल चलाना एक बहुत अच्छी क्रिया है। यह वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने में सहायता करती है, साथ ही साइकिल चलाने में किसी प्रकार का ईंधन भी खर्च नहीं होता है। इसे शरीर के लिए की जाने वाली श्रेष्ठ कसरतों में से एक माना जाता है इसलिए हमें नियमित रूप से साइकिल चलाते रहना चाहिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुस्ताक खान ने बताया कि हर साल 3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। शारीरिक निष्क्रियता असंक्रामक रोग होने का एक प्रमुख रिस्क फैक्टर होता है। अधिकांशत: नागरिक, खासकर शहरी क्षेत्रों में नियमित व्यायाम नहीं करते, जिस कारण बीपी, शुगर आदि कई रोग शरीर में जन्म ले लेते है। इसलिए इन रोगों से बचाव के लिए नियमित रूप से व्यायाम किया जाए और यदि व्यायाम करने का मौका नहीं मिले तो, कार्यालय, दुकान आदि जाने के दौरान नियमित रूप से साइकिल का उपयोग करें तथा अन्य लोगों को भी जागरूक कर साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करें।

राशिफल रविवार 4 जून, 2023

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, रविवार, विक्रम संवत 2080, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 3:23 तक, सिद्ध योग दिन 11:58 तक, बव करण प्रात: 9:12 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:23 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:23 से सूर्योदय तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 3:23 से आरम्भ होगा। आज सत्यव्रत, ज्येष्ठी पूर्णिमा, ज्येष्ठ श्रुति पूर्णिमा पर्व है। आज देव स्नान पूर्णिमा है। आज संत कबीर जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:14 से 9:01 तक, लाभ-अमृत 9:01 से 12:26 तक, शुभ 2:07 से 3:49 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:13

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। घर-परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

सिंह
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज अनावश्यक धन खर्च होगा। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है।

धनु
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में वाद-विवाद और आपसी मतभेद बढ़ने का भय है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 212 प्रभात उदयपुर, रविवार 4 जून, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

दक्षिण भारत में वैस्टर्न घाट के घने जंगलों में कोई भाग्यशाली ही होगा अगर उसे ग्रेटर रैकेट टेल्ड ड्रॉंगो बर्ड आस-पास की अन्य प्रजातियों को गाना सुनाती नज़र आ जाए। लेकिन, ड्रॉंगो गाना नहीं गाती, बल्कि दूसरी चिड़ियों की आवाज़ों की नकल करती है। यह जानकारी दी है एथनो-ऑर्निथॉलजिस्ट समीरा अग्निहोत्री ने, जो गत 18 साल से वैस्टर्न घाट के जंगलों की खाक छान रही हैं और स्थानीय पक्षियों के गाने रिकॉर्ड कर रही हैं। उनकी फेवरेट है, नीली आभा लिए काले रंग की यह चिड़िया, जिसके सिर के सामने की ज़ुल्फ एल्विस प्रैसली जैसी दिखती है, और जिसके टेल फैदर ज़रुरत से ज्यादा लंबे हैं। अग्निहोत्री जब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साईन्स (बैंगलौर) से डॉक्टरैट कर रही थीं तब उन्होंने पता लगाने का प्रयास किया कि, यह पक्षी इतना नकलची क्यों है। अन्य पक्षियों की आवाजों की नकल करने वाली अधिकतर प्रजातियां सिर्फ प्रजननकाल में ऐसा करती हैं लेकिन रैकेट -टेल्ड ड्रॉंगो पक्षी वर्ष पर्यन्त दूसरों की आवाज़ों की नकल करते हैं। अग्निहोत्री ने पाया कि, प्रायः साथी को रिझाने के लिए नकल की जाती है। उन्होंने कहा, ''हमारी आब्ज़र्वेशन में हमने पाया कि नर व मादा दोनों ही नकल करते हैं, पर इस बारे में हम ज्यादा नहीं जानते क्योंकि नर व मादा एक जैसे दिखते हैं।'' उन्होंने यह भी देखा कि, आमतौर पर साथी को रिझाने के लिए नकल (मिमिक्री) की जाती है पर ये पक्षी खतरा होने पर भी मिमिक्री करते हैं। खासकर तब, जब वे घोंसला बना रहे हों या अन्य प्रजातियों के साथ भोजन कर रहे हों। अग्निहोत्री ने अपने अध्ययन के लिए स्थानीय आदिवासियों, ''सोलिगा'' की मदद ली, जिन्हें इस क्षेत्र की गहरी जानकारी है। सोलिगा लोग इस पक्षी को ''कोःलूकाःरा'' कहते हैं। यह टाइटल सोलिगा समुदाय में उस बुजुर्ग को दिया जाता है जो समुदाय में शांति व्यवस्था बनाए रखता है। ड्रॉंगो को यह नाम, अन्य प्रजातियों के पक्षियों को आकर्षित करने की उनकी क्षमता के कारण दिया गया है। अनुमान है कि, विभिन्न समूहों को व्यवस्थित बनाए रखने में भी ड्रोंगो की भूमिका होती है। सोलिगा समुदाय मानता है कि, ये पक्षी खतरनाक जानवरों के बारे में सूचना देते हैं। अग्निहोत्री का मानना है कि, सोलिगा लोगों को जंगल की गहरी जानकारी है और वन संरक्षण में वे महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

गत नौ सालों में मैडिकल कॉलेजों की संख्या दुगनी हो गयी है

2014 में 387 मैडिकल कॉलेज थे और अब इनकी संख्या 660 हो गयी है, पर, खेद का विषय है कि, इनमें से 150 मैडिकल कॉलेजों की मान्यता रद्द होने के कगार पर है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जून। सरकार को इस बात का संतोष हो सकता है कि चिकित्सा शिक्षा में ज्यादा विद्यार्थियों को प्रवेश की सुविधा प्रदान कर पा रही है, क्योंकि पिछले 9 वर्ष में मैडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि गई की है। लेकिन क्या सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति न्याय कर पाई है?

किसी भी शिक्षाविद से पूछिये, संख्या बनाम गुणवत्ता के प्रश्न का यही जवाब मिलेगा कि दोनों ही अपनी-अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं।

हो सकता है कि कॉलेजों की संख्या में प्रभावी वृद्धि दर्ज हुई हो, लेकिन लगता गुणवत्ता के पहलू को अपेक्षित कर दिया गया है, अर्थात गुणवत्ता का कोई खयाल नहीं रखा गया हो।

केन्द्र सरकार के सरकारी डेटा के अनुसार, मोदी सरकार के पिछले 9 वर्षों में मैडिकल कॉलेजों की संख्या करीब दुगुनी हो गई है। वर्ष 2014 में, देश में 387 मैडिकल कॉलेज थे। 2023 तक उनकी संख्या बढ़कर 660 हो गई है। एक एन.आई.ए. रिपोर्ट के अनुसार, इनमें 22 तो ऑल इंडिया इन्स्टीट्यूट्स ऑफ मैडिकल साइंसेज (एम्स) ही हैं, जबकि 2014 में इनकी संख्या मात्र 7 थी पर ऐसी कई खबरें है कि ऐसे कॉलेजों में से 25 प्रतिशत तो मान्यता के संकट से जूझ रहे हैं, अर्थात इन्हें अभी तक मान्यता नहीं मिली है।

ऐसे समय पर, जब उच्च शिक्षा संस्थानों के पास सिवाय इसके अन्य कोई विकल्प ही नहीं है कि उनके लिये डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान विकसित किया जाये, अध्ययन एवं अध्यापन का ढांचा तैयार किया जाए एवं मजबूत किया जाये, जिससे ऑफ लाइन तथा ऑन लाइन शिक्षा के विभिन्न मॉडल अपनाये जा सकें तथा ज्ञान के आसान उपयोग को बल प्रदान करने के लिये डिजिटल लर्निंग संसाधनों तक पहुंच हो सके लेकिन 150 मैडिकल कॉलेजों में पर्याप्त फैकल्टी ही नहीं है तथा वहां नियमों एवं प्रक्रियाओं की अनुपालना नहीं हो रही है। नई शिक्षा नीति 2020 का मानना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों की सफलता उसकी फैकल्टी की गुणवत्ता तथा उपलब्धता में निहित है। नई शिक्षा नीति उच्च शिक्षण संस्थानों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मान्यता रद्द होने का कारण है, इन मैडिकल कॉलेजों में पढ़ाई का स्टैण्डर्ड, फैकल्टी की अयोग्यता व संख्या की भारी कमी।**
- **मैडिकल कॉलेज, फैकल्टी के चयन में वो मापदण्ड नहीं अपना रहे हैं, जो नैशनल मैडिकल कमिशन ने निर्धारित किये हैं।**
- **इन कमजोर 150 मैडिकल कॉलेजों में से पचास मैडिकल कॉलेजों की मान्यता तो रद्द कर दी गयी है तथा बाकी कमजोर मैडिकल कॉलेजों से बातचीत चल रही है और जांच चल रही है, यानी मान्यता बंद करने की प्रक्रिया चालू है।**
- **मैडिकल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. स्ट्रूडैन्ट्स की संख्या भी 51,348 से बढ़कर 1,01,043 हो गयी है तथा पी.जी. स्टूडैट्स का नम्बर भी 31,185 से बढ़ कर 65,335 हो गया है।**
- **पर, अब निर्णय लेने का समय आ गया है, हम क्या चाहते हैं, केवल डॉक्टरों की संख्या में भारी वृद्धि, या योग्य, प्रशिक्षित डॉक्टरों की क्वालिटी को भी बढ़ावा देना चाहते हैं।**

'अगर हमारी सरकार होती तो हमारी विदेश नीति तकरीबन वो ही होती जो मोदी सरकार की है'

राहुल गांधी ने कहा, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि, हमारा रूस से पुराना विशेष रिश्ता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान सत्तारूढ़ भाजपा और अपनी पार्टी के बीच अन्तर बताते हुए कहा, ''वे (भाजपा) समाज में नफरत पैदा करते हैं, समाज का ध्रुवीकरण करते हैं। वे सबको साथ लेकर नहीं चलते हैं, वे हर व्यक्ति को गले नहीं लगाते तथा समाज को बांटते हैं, और मेरे विचार से, यह चीज भारत के लिये नुकसानदेह है, क्योंकि भारत में सदैव ही खुलेपन वाले संवाद की परम्परा रही है।''

कल वॉशिंगटन के नैशनल प्रैस क्लब में बहुत सारे प्रश्नों के जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लाखों करोड़ों भारतवासियों के जीवन को रूपान्तरित कर देने के महान और प्रचुर अवसर हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा, ''ऐसा करने के लिये, बड़े एवं गतिशील तरीके से एक नये भारत की कल्पना करने की जरूरत है और मेरा मानना है कि ऐसा करने के लिये, भारत को सामंजस्य एवं समरसता की जरूरत है। मॉस्को के साथ भारत के पुराने संबंधों की पृष्ठिभूमि में, इस समय चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में, राहुल गांधी ने यह कहकर श्रोताओं को चौंका दिया कि हमारी नीति मौटे तौर पर मोदी सरकार की नीति ''जैसी ही होती'' क्योंकि ''इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि रूस के साथ हमारे संबंध रहे हैं और हैं।'' इस प्रश्न पर कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई, कांग्रेस नेता ने अपनी असहमति व्यक्त की और कहा कि देश पिछले चार दशकों की सर्वाधिक बेरोजगारी का सामना कर रहा है तथा महंगाई अनाप-शनाप बढ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर देकर कहा कि, हम बातचीत व ओपननैस (खुलेपन) में विश्वास करते हैं, पर, भाजपा सरकार सैन्ट्रलाइज़ेशन को सही मानती है।**
- **उदाहरण के लिये ''हमारा मानना है कि, छोटे व मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिये, क्योंकि ये छोटे व मध्यम श्रेणी के उद्योग ही भारत की आर्थिक उन्नति के ''ग्रोथ इंजन'' हैं।**
- **परन्तु भाजपा कुछ चन्द लोगों के हाथ में ''पावर व वैल्थ'' (सत्ता व धन) केन्द्रित करना चाहती है।**

भारत और पाकिस्तान की नौसेना का संयुक्त अभ्यास?

नई दिल्ली, 3 जून। ईरान ने अपने एक ऐलान से हलचल बढ़ा दी है। ईरान का कहना है कि वह खाड़ी में नया गठबंधन बनाने वाला है। इसके तहत वह खाड़ी के 3 देशों के साथ-साथ भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं को भी शामिल करेगा। ईरानी नौसेना के कमांडर ने कहा, हमारा देश, सऊदी अरब और खाड़ी के तीन अन्य देश नौसैनिक गठबंधन बनाने वाले हैं। ईरानी मीडिया की ओर से यह दावा किया गया कि, इसमें भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं को भी शामिल किया जाएगा। ईरानी नौसेना के कमांडर शहराम ईरानी का भी इस मामले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के देश यह समझ चुके हैं कि एक-दूसरे के सहयोग से ही सुरक्षा मिल सकती है। इसलिए यह गठबंधन जल्द ही बना लिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह साफ तौर पर नहीं बताया कि, ईरानी नौसैनिक गठबंधन किस तरह का होगा। गौरतलब है कि, इन दिनों ईरान का फोकस खाड़ी के देशों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करने पर है।

- **ईरान ने कहा है कि, वह यू.ए.ई और अन्य देशों की नौसेनाओं के साथ मिलकर गठबंधन तैयार करेगा जिसमें भारत और पाकिस्तान को भी शामिल किया जायेगा।**

एक्सिडैंट के कारण सौ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ

नयी दिल्ली/कोलकाता 3 जून (वार्ता)। ओडिशा में बालासोर जिले में कल शाम हुई रेल दुर्घटना के कारण 58 से अधिक ट्रेनों को पूरी तरह से और 10 को आंशिक रूप से रद्द किया गया है जबकि 41 ट्रेनों का मार्ग बदला गया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे की एक विज्ञप्ति के अनुसार खडगपुर भुवनेश्वर खंड पर चलने वाली 58 गाड़ियों को निरस्त कर दिया गया है जबकि दस गाड़ियों को आंशिक रूप से रद्द किया गया है। 41 गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है जबकि एक गाड़ी को परिवर्तित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ओडिशा में बालासोर जिले में शुक्रवार शाम हुई रेल दुर्घटना के कारण 58 से अधिक ट्रेनों को पूरी तरह से और 10 को आंशिक रूप से रद्द किया गया है, जबकि 41 ट्रेनों का मार्ग बदला गया है।**

'दुनिया में सबसे धीमी गति भारतीय ट्रेन्स की है'

पर, फिर भी इतने ज्यादा एक्सीडैंट नियमित रूप से क्यों होते हैं यहां?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जून। क्या बालासोर में हुआ भीषण रेल हादसा तकनीकी संसाधनों के इस्तेमाल से रोका जा सकता था? यह सवाल सभी जगह पूछा जा रहा है क्योंकि दुर्घटना के प्रारंभिक कारणों को लेकर भारतीय रेल्वे ने चुप्पी साध रखी है। क्या यह विनाशकारी हादसा एक ''रेल फ्रैक्चर'' के कारण हुआ? या सिग्नल पास्ड एट डैंजर (एस.पी.डी.) था या मानवीय भूल? या फिर खराब ट्रैक व संसाधन के कुप्रबंधन की वजह से? या फिर भारतीय रेल्वे ट्रेन हादसे रोकने वाला सिस्टम ''कवच'' लागू नहीं कर सका, इस वजह से? कवच असल में स्थानीय तौर पर विकसित सिस्टम ''ट्रेन कॉलिज़न अवॉयडैंस सिस्टम'' (टी.सी.ए.एस.) का अपग्रेडेड संस्करण है।

कवच सिस्टम, जो कि अगर कोई ट्रेन ड्राइवर सिग्नल चूक जाए तो तुरंत एलर्ट देता है और ब्रेक पर नियंत्रण कर लेता है, का क्रियान्वयन बहुत धीमी गति से हो रहा है। जांच रिपोर्ट में यह कहा जा सकता है कि भारतीय रेल्वे ट्रेन की सुरक्षा सिग्नल व्यवस्था इन्फ्रास्ट्रक्चर्स बेहतर बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहा हैं। रेल्वे के एक पूर्व अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि भारत में सबसे धीमी गति से चलने वाली रेले हैं फिर भी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सबसे ज्यादा रेल फ्रैक्चर भारतीय रेल के नेटवर्क पर होता है। इससे स्पष्ट है कि सिग्नल व्यवस्था, रेल के डिब्बों और इंजन आदि का रख रखाव बहुत ही धीमी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बालासोर में, गत बीस साल में हुए सबसे बड़े रेल एक्सीडैंट के बाद यह सवाल सभी रेल विशेषज्ञ पूछ रहे हैं।**
- **सरकार का, व युवा रेल मंत्री वैष्णव का ज्यादा ध्यान ''बिग टिकट प्रोजैक्ट्स'', जैसे वंदे भारत, स्टेशनों के सौंन्दर्यीकरण, नये बड़े रेलवे इंजन व आधुनिक डिब्बों पर रहा है, पर, ''सेफ्टी इशूज़'' को बहुत कम प्राथमिकता मिली है।**
- **अतः एक्सीडैंट तो होते रहे हैं, और होते रहेंगे।**

'पप्पू फॉर पी.एम.'

जाने-माने ''ब्रैण्ड एक्स्पर्ट्स'' का मानना है, भाजपा ने अरबों रूपये खर्च किये, राहुल गांधी की ''पप्पू'' छवि बनाने में। पर, अगर कांग्रेस ह्यूमर (हास्य परिहास) व कटाक्ष का बुद्धिमता से काम ले, ''पप्पू'' छवि का सकारात्मक उपयोग कर सकती है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जून। देश के राजनैतिक पटल पर ब्रैंड्स तथा सोच (परसेप्शन) निर्माण की मोहक एवं रोचक जंग चल रही है, विपक्षी कांग्रेस, सत्तारूढ़ भाजपा के ''प्रोजैक्ट पप्पू'' की हवा निकालने की कोशिश कर रही है। ज्ञातव्य है कि भाजपा का प्रोजैक्ट पप्पू देश का सबसे बड़ा और सर्वाधिक कामयाब ''सोच निर्माण'' अभियान था, जो भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निन्दा और उपहास का पात्र बनाते हुये, उन्हें नितान्त मूर्ख के रूप में प्रस्तुत करने के लिये चलाया था।

खास बात यह है कि कांग्रेस प्रोजैक्ट पप्पू के असर को न केवल कम, बल्कि समाप्त कर सकती है और राहुल गांधी को एक बुद्धिमान, सहज सुलभ, मिलनसार, हँसमुख, आकर्षक तथा सैंस ऑफ हयूमर'' वाले नेता के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं। बल्कि भाजपा के प्रोजैक्ट पप्पू को उलटकर अपने फायदे के लिए प्रयुक्त कर सकती है।

चूँकि भाजपा निरन्तर राहुल गांधी को निशाना बना रही है तथा इस प्रकार वह कांग्रेस नेता के लिये अनजाने में मीडिया कवरेज उपलब्ध कराने में मदद कर रही है, भाजपा अनजाने में एक ऐसा काम कर रही है, जिसके लिये कांग्रेस को बहुत बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ती। वस्तुतः भाजपा का उद्देश्य तो राहुल गांधी को खराब एवं नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करना, उनकी ''पप्पू'' वाली छवि, जिसे पैदा करने के लिये उसने बहुत मेहनत की थी, के रूप में अनुरूप प्रस्तुत करना ही है।

अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भाजपा का यह अभियान-इच्छित परिणाम देने के मामले में असफल होना शुरु हो गया है। जनता राहुल गांधी को उनके वास्तविक रूप में देखने लगी है-हाल ही में सम्पन्न भारत जोड़ो यात्रा में, उनके भाषणों में, भारत तथा विदेशों में उनकी बहुत सी प्रैस-कॉन्फ्रैंसों में। और इस प्रकार, भाजपा के ''प्रोजैक्ट पप्पू'' से भाजपा को कम लाभ मिल रहा है।

प्रसंगवश बता दें कि हिमाचल प्रदेश के चुनावों में भाजपा के प्रतिकूल आये चुनाव-परिणाम के बाद, तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा ने अर्थव्यवस्था के आँकड़े उद्धृत करते हुये, लोकसभा में भाजपा से पूछा था कि अर्थव्यवस्था को इस स्थिति में लाने तथा हिमाचल प्रदेश के चुनाव हारने के बाद असली पप्पू कौन सिद्ध हुआ। उन्होंने अर्थव्यवस्था की ''मिसहैन्डलिंग'' की आलोचना करते हुये कहा था, ''इस सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी ने ''पप्पू'' शब्द गढ़ा था। आप इसका प्रयोग निन्दा करने तथा घोर अक्षमता रेखांकित करने के लिये करते हैं। लेकिन आँकड़े हमें बता रहे हैं कि असली पप्पू कौन है।'' भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के गृह राज्य में भाजपा की हार पर मोइत्रा ने कहा था, ''वे अपने गृह राज्य पर भी अपनी पकड़ नहीं रख सके। अब कौन है पप्पू?''

ब्रैंड-निर्माण तथा सोच-प्रबंधन प्रोफेशनल्स अब देख रहे हैं कि कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ब्रैण्ड विशेषज्ञों के अनुसार, कॉमर्शियल दुनिया में यह प्रायः होता है, जब प्रतिद्वन्दी के ''कैम्पेन'' (विज्ञापन अभियान) को उलट कर, पलट कर कम्पनियाँ अपने व्यवसायिक हित को अच्छी तरह साधती हैं।**
- **उदाहरण के लिये जब, ''कैन्टकी फ्राइड चिकन'' ने भारत में प्रवेश किया तो, उन्हें भारी ''कम्पटिशन'' का सामना करना पड़ा, ''तन्दूरी चिकन'' से। उन्होंने तन्दूरी चिकन की लोकप्रियता का लाभ लेते हुए, ''कैन्टकी फ्राइड चिकन'' को तन्दूरी चिकन का नया अवतार बता कर बेचना शुरू किया और काफी हद तक सफलता पायी।**
- **राहुल गांधी की छवि में, भारत जोड़ो यात्रा और फिर हिमाचल व कर्नाटक में चुनावी जीत के बाद में भारी परिवर्तन हुआ है। अतः कुछ ह्यूमर (हास्य विनोद) का छौंक लगाकर, इस नयी छवि का उपयोग किया जाये तो, भाजपा के ''पप्पू अभियान'' का लाभ उठा लेगी कांग्रेस।**

ममता बनर्जी व अश्विनी वैष्णव की आमने-सामने की तकरार

बालासोर, 3 जून। ओडिशा में कोरोमंडल एक्सप्रेस के दुर्घटना स्थल पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और ममता बनर्जी के बीच आपस में हल्की-फुल्की खींचतान हुई। सबसे पहले ममता बनर्जी ने रेलवे की भूमिका पर सवाल उठाए। ममता ने रेलवे के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **रेल दुर्घटना स्थल पर ममता बनर्जी ने सबसे पहले रेलवे की भूमिका पर सवाल उठाये और कहा कि, यहां 500 लोगों की मौत हुई है, इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, उनका आंकड़ा गलत है कुल 238 मौतें हुई हैं।**

विराटनगर को नव घोषित कोटपुतली जिले में शामिल करने का विरोध

जयपुर जिले में यथावत रखने को लेकर संघर्ष समिति का धरना 55वें दिन भी जारी

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र को कोटपुतली जिले में शामिल करने का विरोध व जयपुर जिले में यथावत रखने को लेकर को संघर्ष समिति का उपखंड मुख्यालय विराटनगर के सामने अनशन 55वें दिन भी जारी रहा। क्रमिक अनशन पर भाजपा नेता पवन शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल रुडला, देवनारायण लटाला, महेश कुमार सैनी, मूलचंद हलवाई, भागीरथ मल, दिनेश देवंदा, नरेंद्र सिंह शेखावत, लोकेश शर्मा, जय कुमार सैनी, बंशीधर स्वामी, राजेंद्र प्रसाद बुनकर, लक्ष्मण राम बुनकर, दौलतराम, नंद किशोर छिंपा, कैलाश चंद शर्मा, पूरणमल शर्मा, सरदारमल यादव, अनीश शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान संघर्ष समिति के पदाधिकारी जगदीश यादव एवं पवन शर्मा जवानपुरा ने बताया कि 55 दिन से संघर्ष कर रहे विराटनगर क्षेत्र के लोगों की भावना को राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार हल्के में लेकर भारी भूल कर रही है। जिले की मांग के प्रति सरकार की अनदेखी का जवाब समय आने पर विराटनगर की जनता लाजमी देगी। यह आंदोलन शहर की आम जनता का आंदोलन बन चुका है जनता का इस मांग को भावनात्मक समर्थन है धरना स्थल पर समाज के सभी वर्ग के लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं।

गौरतलब है कि लगातार 55 दिनों से विराटनगर पंचायत समिति क्षेत्र के सर्व समाज द्वारा क्षेत्र को जयपुर जिले में यथावत रखने की मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है। परंतु अभी तक सरकार द्वारा इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हुई। लगातार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित समस्त जिमेदार प्रशासनिक अधिकारियों को भी क्षेत्रवासी अपनी मांग से अवगत करा चुके हैं। परंतु अभी तक भी संतुष्टिपूर्वक जवाब नहीं आया। क्षेत्रवासी अपनी जायज मांग पर अडिग है।

संघर्ष समिति का उपखंड मुख्यालय विराटनगर के सामने 55वें दिन भी अनशन जारी रहा।

- 'मांग को नजर अंदाज करना सरकार को पड़ेगा भारी, वक्त आने पर जनता देगी जवाब'

नाबालिग से रेप के मामले में दोषी को मरते दम तक जेल

कोर्ट ने सजा सुनाते हुए कहा कि दोषी को शेष प्राकृतिक जीवन जीने तक जेल में रहना होगा

अजमेर, (कासं)। नाबालिग से रेप के मामले में पोक्सो कोर्ट ने जिंदगी भर जेल में रहने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सजा सुनाते हुए कहा-दोषी को शेष प्राकृतिक जीवन जीने तक जेल में रहना होगा। साथ ही 58 हजार का अर्थ दंड सुनाया है। कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा कि आरोपी की ओर से किए गए घृणित कृत्य को देखते हुए उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

घटना तीन साल पहले केकड़ी थाना क्षेत्र में हुई थी, पीड़िता के पिता ने 27 अप्रैल 2020 को केकड़ी थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। रात को साढे तीन बजे करीब पत्नी उठी तो देखा कि नाबालिग बच्ची नहीं है। इस पर उसे तलाश किया। नहीं मिली तो ससुर को बताया। ससुर मोटरसाइकिल लेकर खेत पर गए तो बच्ची चिल्लाती हुई मिली। बेटी ने बताया कि एक आदमी उसे सोते हुए उठाकर ले गया। उसके साथ गलत काम किया। बाद में उसे अस्पताल लेकर गए, जहां उसे भर्ती कराया। पीड़िता के शरीर पर चोट के निशान थे।

इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की। विशिष्ट लोक अभियोजक रूपेन्द्र परिहार ने बताया कि मामले में पुलिस ने सावरलाल माली पुत्र रामलाल माली (28) को गिरफ्तार किया था जो मजदूरी का काम करता था। कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू हुई। पीड़िता आरोपी को पहचान नहीं पाई। आरोपी के अपराध व डीएनए रिपोर्ट में पीड़िता से रेप की पुष्टि हुई। मामले में 19 गवाह व 50 दस्तावेज पेश किए। जज बी.एल. जाट ने अपने फैसले में कहाकि आरोपी की ओर से किए गए घृणित कृत्य को देखते हुए उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। जो एक गम्भीर प्रकृति का अपराध है।

इसके लिए उसे विभिन्न धाराओं में अलग अलग सजा सुनाते हुए आजीवन कारावास-प्राकृतिक जीवन जीने तक व 58 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। सांवरलाल की पीड़ित परिवार से कोई जान पहचान नहीं थी। पीड़ित परिवार झोपड़ी बनाकर रहता है। घटना के समय घर में मां, पिता, छोटे भाई बहन थे। जांच में सामने आया था रात को घर के सामने से गुजरते वक्त नाबालिग को उठा ले गया था।

- आरोपी को पहचान नहीं पाई पीड़िता, आरोपी के अपराध व डीएनए रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई

प्राइवेट कंपनी के प्रतिनिधियों ने 40 हजार की रिश्वत मांगी

कृषि कनेक्शन के नाम पर रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

बीकानेर, (निसं)। पांचू एरिया में कृषि कनेक्शन जारी करने के नाम एक प्राइवेट कंपनी के प्रतिनिधियों ने चालीस हजार रुपए की रिश्वत मांगी। दोनों प्रतिनिधियों को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की बीकानेर टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जोधपुर डिस्कॉम ने एक निजी कंपनी को कनेक्शन का काम दिया हुआ है, इसी कंपनी के प्रतिनिधियों पर रिश्वत की राशि लेने का आरोप लगा है। ब्यूरो के प्रदेश मुख्यालय के निर्देश पर ये कार्रवाई हुई है। बीकानेर टीम ने कार्रवाई करते हुए सुरेश कुमार एवं रोहिताश मीणा को रिश्वत के रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ये दोनों भंवरिया इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड में काम करते हैं। इसे जोधपुर डिस्कॉम ने इस एरिया में काम करने के लिए अधिकृत किया है। परिवादी से 40 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की बीकानेर इकाई को परिवादी ने शिकायत दी गई कि उसके पिता के नाम जारी कृषि कनेक्शन को लगाने एवं सामान देने की एवज में भंवरिया इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि सुरेश कुमार एवं रोहिताश मीणा 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान कर रहे हैं। जिस पर एसीबी बीकानेर के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के सुपरवीजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पूनिया के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन करवाया गया। शनिवार को पुलिस निरीक्षक श्रवण कुमार एवं उनकी टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए सुरेश कुमार पुत्र हरलाल सिंह निवासी ग्राम ठिकरिया, तहसील खण्डेला, जिला सीकर एवं रोहिताश मीणा पुत्र मालीराम निवासी निवासी वार्ड नं. 15, मीणों का मोहल्ला, बस स्टेण्ड के पास, श्रीमाधोपुर सीकर को गिरफ्तार कर लिया। परिवादी से 45 हजार रुपये रिश्वत राशि प्राप्त कर 5 हजार रुपये परिवादी को वापस लौटाकर 40 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

- जोधपुर डिस्कॉम ने प्राइवेट कंपनी को काम दिया था
- उसी के दो प्रतिनिधि ले रहे थे रिश्वत

मालपुरा में अंधड़ व बरसात के साथ ओले गिरे

मालपुरा, (निसं)। शनिवार की शाम को हुए मौसम में बदलाव के बाद चली धूलभरी आंधी देखते ही देखते तूफान व भारी बरसात में तब्दील हो गई। तेज हवाओं के साथ ही शुरू हुआ बरसात का दौर ओलों की बरसात में तब्दील हो गया। उपखण्ड क्षेत्र के चौसला, चैनपुरा, गरजेडा, अरनिया बस्सी, डेंचवास, सदरपुरा, देशमा, देशमी सहित दर्जनों गांवों में हुई तेज बरसात के साथ गिरे ओलों से जमीन पर ओलों की सफेद चादर बिछ गई। नींबू के आकार के ओले गिरने से जनजीवन बाधित हो गया। तेज अंधड़ से कई पेड़ धराशाही हो गये। टीन-टप्पर उड कर दूर खेतों में जा गिरे। जिससे लोगों को भारी नुकसान हुआ। जून के महिने में भीषण गर्मी के बजाय ओलों की बरसात होने से लोग हैरान व परेशान दिखे। घंटों तक यातायात जाम हो गया। खेतों में बोये पशुओं के ज्वार व बाजरी सहित रंजके की फसल में नुकसान होने से पशुपालक चिन्तित दिखाई दिये। बार-बार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बिगड़ रहे प्रकृति के प्रकोप का सामना आमजन को करना पड़ रहा है।

कुण्ड में कूदकर छात्रा ने आत्महत्या की

फैल हो जाने के कारण मानसिक तनाव में थी

बीदासर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के शुक्रवार को आये बोर्ड परीक्षा परिणाम के बाद निकटवर्ती ढाणी गांव रामदेवरा में 18 वर्षिय कंचन मेघवाल ने परीक्षा परिणाम में फैल हो जाने के कारण मानसिक तनाव में आकर खेत में बने कुण्ड में कूद कर आत्महत्या कर ली।

थानाधिकारी जगदीश सिंह ने बताया कि बीदासर कस्बे के वार्ड नं 19 हाल ढाणी रामदेवरा निवासी रामचन्द्र मेघवाल ने लिखित रिपोर्ट दी कि मेरे मामेरे भाई भीवाराम मेघवाल की 18 वर्षिय पुत्री कंचन ने शुक्रवार की दोपहर में 10वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में अनुत्तीर्ण हो जाने के कारण मानसिक तनाव में आकर अपने खेत में बने पानी के कुण्ड में रात्रि के समय 8 बजे स्वंय गिरकर आत्महत्या कर ली। उस समय कंचन की मां घर के अंदर रसोई में खाना बना रही थी।

काफी देर तक कंचन नही दिखी तो इधर-उधर देखने पर कुण्ड के उपर कंचन की चप्पल पड़ी दिखी तो कुण्ड के अंदर देखा तो पता चला कि कंचन ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या की है। पुलिस ने रामचन्द्र की रिपोर्ट पर मर्ग का मामला दर्ज कर मृतका के शव को ग्रामीणों के सहयोग से कुण्ड से बाहर निकलावाकर शनिवार को राजकीय सीएचसी में मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

छात्रा कंचन।

फांसी लगा युवक ने आत्महत्या की

श्रीमाधोपुर, (निसं)। पुलिस थाना श्रीमाधोपुर के लिसाड़िया ग्राम में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हैड कांस्टेबल अमर सिंह ने बताया कि मृतक लिसाड़िया निवासी मोहन सिंह (23) पुत्र राजेंद्र सिंह राजपूत है।

मृतक लिसाडिया में स्थित मां भगवती मंदिर में ही निवास करता था जो कि आज अल सुबह अचानक मंदिर के पीछे की ओर जाकर कूंदे में फांसी का फंदा लगाकर लटक गया। जब वह काफी देर बाद भी वापस नहीं लौटा तो परिजन पीछे जाकर देखा तो वह लटका हुआ मिला जिसके बाद परिजनों ने आसपास के लोगों को सूचना दी। आसपास के लोगों ने फांसी पर लटके मोहन सिंह को नीचे उतारकर निजी वाहन से सरकारी अस्पताल श्रीमाधोपुर लेकर पहुंचे जहां पर उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों की सूचना के बाद अस्पताल में पुलिस पहुंची और परिजनों की दी मृग रिपोर्ट पर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। फ़िलहाल युवक की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक तौर पर मृतक शराब के सेवन का नशा करता था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

भीलवाड़ा में 35 लाख रुपए की अफीम पकड़ी

7 किलो 170 ग्राम अफीम सहित दो तस्कर गिरफ्तार

जयपुर/भीलवाड़ा। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने शनिवार को भीलवाड़ा जिले के थाना काछोला थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों के तहत बड़ी कार्रवाई कर तस्कर बद्री लाल गुर्जर पुत्र हीरा (43) निवासी थाना जहाजपुर भीलवाड़ा और मेघराज धाकड़ पुत्र रामपाल (27) निवासी भगुनगर भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मुख्य पुलिस मुख्यालय स्तर पर डीआईजी डॉ राहुल प्रकाश के मोनिटरिंग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। टीम में इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत, हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा व रामनिवास एवं कॉन्स्टेबल भूपेंद्र और विश्राम शामिल है।

एडीजी एमएन ने बताया कि भीलवाड़ा में आसूचना संकलन के दौरान स्थानीय पुलिस के सहयोग से टीम ने बद्री लाल गुर्जर और मेघराज धाकड़ को अवैध 7 किलो 170 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया। जब्त अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है। स्थानीय पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से इनके नेटवर्क और मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सेट के ई-प्रमाण पत्र मिलेंगे ऑनलाइन

बांसवाड़ा, (निसं)। जीजीटीयू कैम्पस में शनिवार का दिन बहुत हलचल भरा रहा। गौरतलब है कि इस बार राज्य सरकार ने राज्य पात्रता परीक्षा और पीटीईटी परीक्षा के आयोजन का जिम्म गोविन्द गुरु जनजातीय विवि बांसवाड़ा जीजीटीयू को दिया हुआ है।

कुलपति प्रो.आई.वी त्रिवेदी ने बताया कि राज्य पात्रता परीक्षा 'आर-सेट 2023' का अंतरिम पात्रता परिणाम जारी किया जा चुका है। परिणाम में अंतरिम रूप से पात्र अभ्यर्थियों को अब पात्रता प्रमाण पत्र अब ऑनलाइन ही प्राप्त होंगें। यूजीसी के द्वारा जारी नियम अनुसार अंतरिम रूप से पात्र परीक्षार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया द्वारा ई प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया विवि ने प्रारंभ कर दी है। राज्य समन्वयक ने बताया कि गत माह 21 मई को ही राज्य के 1494 केन्द्रों पर करीब सवा पाँच लाख विद्यार्थियों ने राज्य के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में दो वर्षीय बी.एड एवं चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एड हेतु परीक्षा दी।

मिस्त्री ने चार लाख का माल गायब किया

पाटन, (निसं)। डाबला रोड पर स्थित महादेव इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक सुरेश कुमार पुत्र पूरणमल सैनी उर्फ़ बागवान ने स्वयं की दुकान पर कार्य करने वाले मिस्त्री के खिलाफ दुकान से लगभग चार लाख रुपए का सामान चोरी करने की रिपोर्ट पाटन थाने में दर्ज करवाई है।

रिपोर्ट में लिखा है कि मेरी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर गांव मालासर जिला झुंझुनू निवासी मुकेश पुत्र पोकरमल मीणा गत 9-10 महीनों से काम कर रहा था। 1 जून को मैं किसी काम से अलवर गया था दो जून की शाम को मैं जब अपनी दुकान पर पहुंचा तो मुकेश वहां उपस्थित नहीं मिला। मैंने उसको फोन लगाया तो उसका फोन भी नहीं लगा। मैंने जब अपनी दुकान में रखा सामान देखा तो दुकान से लगभग चार लाख रुपए का सामान गायब मिला। दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे को देखा तो कैमरे की चिप भी गायब मिली तथा दुकान से 3 डीजे मशीन, 6 बड़े बॉक्स स्पीकर, दो मोबाइल चार्जर, 8 की 10 मेमोरी कार्ड, 16 की सात मेमोरी कार्ड, 32 की 5 मेमोरी कार्ड, 16 के सात पेन ड्राइव, 32 के 6 पेनड्राइव, 64 जीबी के पांच पेन ड्राइव, 10 ईयर फोन लीड, 20 ब्लूटूथ ,20 नग डाटा केबल, दो स्पीकर ब्लूटूथ मोबाइल वाले, एक बड़ा स्पीकर, दो नैनो की टॉर्च, 8 एलईडी बल्ब, दो एंपलीफायर, 20 नग क्वाइल डीजे स्पीकरों की, 3 पीस स्पीकर प्लेट, दो बट्टी टूटर, दो ड्रिल मशीन, एक गरम मशीन, एक फंवारा मशीन, एक लैपटॉप, कंप्यूटर, दो हिसाब के रजिस्टर, रिपेयरिंग टूल्स आदि सामान जिसकी कुल राशि लगभग चार लाख रुपए बाजार भाव के हिसाब से ले गया। मुकेश के मोबाइल पर बराबर फोन किए गए परंतु उसने फोन उठाया ही नहीं। मुकेश जहां रहता था वहां जाकर पता किया तो वहां भी मकान के ताला लगा हुआ मिला।

बाइक-ट्रक की टक्कर में युवक की मौत

बाइक चला रहा चचेरा भाई घायल हुआ

बीदासर, (निसं)। कस्बे के श्रीडुंगरगढ मार्ग स्थित माणकसर तालाब चौराहे स्थित एक तेज गति से आ रहे ट्रक ने रोंग साईड में आकर साईड में चल रहे बाईक सवार के टक्कर मारी। जिससे कस्बे के वार्ड 7 के शिवरतन नाई ऊर्फ नन्दू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। तथा बाईक चला रहा उसका चचेरा भाई रामलाल घायल हो गया। दुर्घटना का पता चलते ही बस स्टेण्ड पर बैठे पूर्व पालिका उपाध्यक्ष जवांहर सिंह राठौड़, पूर्व पार्षद शिवरतन दर्जी सहित आधा दर्जन लोग घटना स्थल पर पहुंचकर घायल को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया तथा मृतक शिवरतन के शव को मोर्चरी में रखवाया।

अस्पताल परिसर में लगी भीड़।

घटना के बाद वाहन चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी शनिवार की सुबह जब कस्बेवासीयों को लगी तो राजकीय सीएचसी में समाज व अन्य समाज के सैकड़ों लोग एकत्रित हो गये तथा वाहन चालक को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर शव का पोस्टमार्टम नही होने दिया तथा सीएचसी में धरने पर बैठ कर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि जब तक वाहन चालक को गिरफ्तार नही किया जायेगा तब तक मोर्चरी से शव नही उठायेंगे। इस दौरान थानाधिकारी जगदीश सिंह ने लोगो से समझाइस भी की लेकिन प्रदर्शन करने वाले गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़े रहे।

इस दौरान सुबह से ही कस्बे के जागरूक नागरिक दुर्घटना कारीत वाहन की खोजबीन में लग गये। दोपहर बाद वाहन व वाहन चालक का पता चलने पर पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का आश्वासन देने पर मृतक के चचेरे भाई रामलाल नाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया।। वहीं मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। दोनों भाई रात्रि में 11.50 बजे हॉटल में खाना खाकर श्रीडुंगरगढ की ओर से बीदासर अपने घर आ रहे थे। परिवार में पिता की मौत के बाद सबसे बड़ा शिवरतन ही था जो घर का खर्च चलाने वाला था। जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। शिवरतन का शव ज्योंही उनके घर पहुचा तो घर में कोहराम मच गया।

उप जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों में हुई तकरार

दोनों चिकित्सक पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ रामगढ़ पचवारा थाने में शिकायत दी गई

रामगड़ पचवारा, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित उप जिला चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों में आपसी तकरार होने के बाद मामला थाने तक पहुंचा एवं दोनों चिकित्सक पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ रामगढ़ पचवारा थाने में शिकायत दी गई।

वहीं चिकित्सकों के बीच हुए हंगामे के बाद मरीजों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा एवं मरीजों द्वारा इस घटनाक्रम का पूरा तमाशा देखा गया। उप जिला चिकित्सालय में कार्यरत रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक हिमांशु शर्मा द्वारा शनिवार को जिला चिकित्सालय में ही कार्यरत चिकित्सा अधिकारी दोनों भाईयों के खिलाफ शनिवार को शिकायत दर्ज कराई गई।

रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सा हिमांशु शर्मा ने बताया कि वे करीब पोने दस बजे पीएमओ कक्ष में उपस्थिति दर्ज कराने पहुंचे थे। उसी दौरान मरीजों के सामने पीएमओ द्वारा गलत व्यवहार कर गलत शब्दों का प्रयोग किया गया। इस मामले को लेकर पीएमओ से इस तरह का बर्ताव नहीं करने का उलाहना देने के बाद पीएमओ कक्ष से बाहर निकल गए। इसी दौरान पीएमओ लखन लाल मीणा उन पर हमला करने की नियत से उनकी तरफ दौड़ा जहां मौजूद मरीजों द्वारा बीच-बचाव किया गया। डॉ. हिमांशु ने बताया कि इसी दौरान पीएमओ लखन लाल मीणा के भाई शिवचरण मीणा जो कि उप जिला अस्पताल में चिकित्सक पद पर कार्यरत हैं उनके द्वारा गाली-गलौज करते हुए थप्पड़ मारे गए जिससे उनके चोट आई एवं चहरे पर लगा चश्मा भी गिर गया।

इस मामले को लेकर डॉ. हिमांशु द्वारा दोनों चिकित्सक भाइयों के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने व मारपीट करने की शिकायत रामगढ़ पचवारा थाने में दी गई। वहीं मामले को लेकर दूसरे पक्ष चिकित्सक शिवचरण मीणा ने कहा कि वे पीएमओ कक्ष से तेज आवाज आने के बाद वहां पहुंचे तो उनके द्वारा इस मामले में बीच-बचाव किया गया। उनके द्वारा किसी प्रकार का कोई गलत कृत्य नहीं किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीसीएमएचओ डॉ धीरज शर्मा उप जिला अस्पताल रामगढ़ पचवारा पहुंचे। वहीं मामले को लेकर दोनों चिकित्सक पक्षों को बैठाकर जानकारी दी गई एवं समझाइश करने के बाद दोनों चिकित्सक पक्षों में सुलह कराई गई।

उप जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों के बीच विवाद के पश्चात बी.सी.एम.एच.ओ. ने चिकित्सकों के बीच आपसी सुलह कराई।

- चिकित्सकों में बीसीएमचओ ने कराई सुलह

फायरिंग व लूट के आरोपियों को जेल

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे के वार्ड नंबर 15 में अनाज व्यापारी लोकेश अग्रवाल पर फायरिंग कर साढ़े 14 लाख की लूट में गिरफ्तार तीनों आरोपियों को शनिवार को पांच दिन का पुलिस रिमांड पूरा होने पर फिर सभी आरोपियों को दांतारामगढ़ न्यायालय में पेश किया गया। न्यायाधीश ने आरोपी मुनीम महेश जाट, मनोज गुर्जर व खुशीराम स्वामी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दे दिए गए। थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि 25 मई को फायरिंग कर साढ़े 14 लाख की लूट हुई थी जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो आरोपी अभी फरार है उनकी तलाश की जा रही है लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

कार्यालय राज्य समन्वयक, राज्य पात्रता परीक्षा 2023
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा-327001 (राज.)
क्रमांक : 122 दिनांक : 03.06.2023
अधिसूचना
राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा-2023 (R-SET 2023) की जारी अंतरिम पात्रता सूची में सम्मिलित परीक्षार्थियों को यूजीसी नियमानुसार ई-प्रमाण पत्र यथाशीघ्र जारी किए जा रहे हैं। पूर्व की अधिसूचना क्रमांक:-116 दिनांक 01.06.2023 एवं क्रमांक 117 दिनांक 03.06.2023 विलोपित की जाती है। विस्तृत सूचना हेतु अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाईट (www.ggtu.ac.in) का नियमित अवलोकन करते रहें।
राज्य समन्वयक
राज्य पात्रता परीक्षा 2023

कार्यालय राज्य समन्वयक,पीटीईटी परीक्षा 2023
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा-327001 (राज.)
क्रमांक : 95 दिनांक : 03.06.2023
अधिसूचना
राजस्थान पीटीईटी परीक्षा-2023 हेतु जारी विज्ञापन संख्या 01 दिनांक 15 मार्च 2023 को विधिवत जारी किया गया था। परीक्षा उपरांत निर्धारित कोटियों में ऑनलाईन संशोधन निर्धारित शुल्क 200/- ऑनलाईन अदा करने पर किया जा सकेगा। यह प्रक्रिया दिनांक 06.06.2023 से प्रारंभ होकर दिनांक 10.06.2023 तक जारी रहेगी। विस्तृत सूचना हेतु अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाईट (www.ggtu.ac.in) का नियमित अवलोकन करते रहें।
समन्वयक
पीटीईटी परीक्षा 2023

सार-समाचार

विश्व साइकिल दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। विश्व साइकिल दिवस पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विवि) के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने

कहा कि साइकिल चलाने से स्वस्थ शरीर के साथ-साथ, वजन कम करने में मदद मिलती है, साथ ही मांसपेशियां भी मजबूत होती है। साइकिल एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। 30 मिनिट साइकलिंग करने पर 300 किलो व एक घंटे में 500 किलो कैलोरी बर्न कर सकते है। पर्यावरण के लिहाज से भी साइकिल चलाना एक बहुत अच्छी क्रिया है। यह वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने में सहायक तो है ही साथ ही साइकिल चलाने से किसी प्रकार के ईंधन का भी खर्च नहीं होता है। भारत युवाओं का देश है और युवाओं का पिछले कुछ वर्षो में साइकिल के प्रति रूझान बढा है। उन्हें मालूम है कि पेट्रोलियम पदार्थो के कितने घातक दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

हमलावर रणियाा पुलिस रिमाण्ड पर

उदयपुर (कासं)। पुलिस दल पर हमला कर हथियार लूट की वारदात करने वाला डकैत रणिया को पुलिस ने रिमाण्ड पर लिया है।जिले के माण्डवा थाना क्षैत्र कूकावास गांव में पुलिस दल पर हमला करने के मामले में फरार डकैत रणिया बुकरिया को पुलिस ने गुतरात से गिरफ्तार कर उदयपुर लेकर आए। जहां उसे न्यायालय में पेश कर 5 दिन का पुलिस रिमाण्ड पर लिया है। जिससे पूछताद की जा रही है। गत दिनों रणिया के पुत्र खातरू की तलाश में गए पुलिस दल पर आरोपी व ठाामीणों ने हमला कर माण्डवा थानधिकारी सहित पुलिस के जवाब घायल हो गए थै । इस दौरान बदमाश पुलिस के हथियार भी छिन ले गए थे। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है तथा एक अपचारी को निरूद्ध किया है। जबकि रणिया व उसके पुत्र खातरू व झला दोनोंप फरार है। जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक ने गत दिनों पच्चीस हजार रूपये का इनामर घोषित किया था। आरोपी रणिया के खिलाफ 53 प्रकरण दर्ज है।

पर्यावरण दिवस पर होंगे आयोजन

उदयपुर, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को वन विभाग एवं ग्रीन पीपल सोसाइटी के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी।ग्रीन पीपल सोसायटी अध्यक्ष राहुल भटनागर ने बताया कि सोमवार को सुबह 7.30 बजे शहर के दूध तलाई राम पोल स्थित लव कुश वाटिका में श्रमदान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उप वन संरक्षक उदयपुर द्वारा स्काउट एवं गाइड के छात्र - छात्राओं को पर्यावरण विषयक जानकारी देने के साथ प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव रोकने व कम करने के प्रेरित किया जाएगा। प्रमुख पर्यावरणविद सेवानिवृत्त एसीएफ डॉ. सतीश कुमार शर्मा के वक्तव्य के साथ वन्यजीव पशुपक्षी और वनस्पति की पहचान पर आधारित एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रतियोगी परीक्षा में विजेताओं को वन विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मकान पर कब्जा करने का मामला दर्ज

उदयपुर (कासं)। मकान बेचने का सौदा तय करने के बाद लेनदेन की बात को लेकर मकान पर कब्जा करने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार झमकुबाई पत्नी जमनालाल मीणा शिव मंदिर के पास सुंदरवास निवासी ने रईसा खां पत्नी फरीद खां निवासी रेलवे क्वार्टर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी को वर्ष 2017 में मकान बेचने की बात कहते हुए 10 लाख मं सौदा तय कर 3 लाख रूपये प्राप्त कर शेष नकदी वक्त रजिस्ट्री देना तय किया। गत दिनों आरोपी ने नकदी पूरी चुकाने का हवाला देकर रजिस्ट्री कराने की बात कही। इस पर पीडिता ने केवल 3 लाख का ही भुगतान करने की बात कही। इसको लेकर विवाद होने पर मकान बेचने से ही इंकार कर 3 लाख नकदी देने की बात कही। इसको लेकर दोनों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

भूखण्ड बेचने का सौदा कर नकदी हड़पी

उदयपुर (कासं)। भूखण्ड बेचने का सौदा कर पीडित से लाखों की नकदी हडपने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जोधपुर सरस्वती नगर हॉल राजेन्द्र पुत्र मगनलाल शर्मा तिरूपति विहार धाबाईजी की बाड़ी पुला ने आरोपी निर्मित श्रंगी व उसके पितरा दिनेश श्रंगी के खिलाफ प्रकरण्ा दर्ज करवाया। कि 29 अगस्त 2022 से 21 मई 2023 के बीच आरोपी से हाथीधरा क्षैत्र में भूखण्ड खरीदने का सौदा हुआ। इस दौरान आरोपियों ने भूखण्ड बेचने का पावर अपने नाम होना बताया तथा 6 करोड़ 25 लाख में सौदा तय कर 25 लाख रूपये का भुगतान कर दिया। गत दिनों रजिस्ट्री के लिए बात करने पर आरोपी ने टालम टोल करना शुरू कर दिया। संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

पर्यावरण बचाओ रैली आयोजित

उदयपुर (कासं)। विश्व साईक्लोथोन दिवस के अवसर पर साईकिल रैली निकाल पर्यावरण बचाओं रैली का आयोजन किया गया। गायरियावास स्थित महावीर एकेडमी सीनियर सैकण्डरी स्कूल के निदेशक प्रणय फत्तावत ने बताया कि साईकिल रैली को आईपीएस प्रशांत किरण, पार्षद भरत जोशी एवं पार्षद सोनिका जैन ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली विद्यालय से निकल कर गायरियावास, परशुराम चौराहा, ऋषि वशिष्ठ चौराहा, संतोष नगर होते हुए पुनः विद्यालय प्रांगण पहुंची। जहां मुख्य अतिथि आईपीएस प्रशांत किरण ने पर्यावरण बचाने की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही अनुष्का एकेडमी निदेशक राजीव सुराणा, विद्यालय प्रशासक सपना गौड, प्राचार्य सुरेश भट्ट, पार्षद भरत जोशी एवं सोनिका जैन ने भी संबोधित किया।

मारपीट कर मोबाइल छीना

उदयपुर (कासं)। शहर के सविना थाना क्षैत्र में दो बदमाश राह चलते व्यक्ति का मोबाईल छीन ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित दत्ता आश्रम रोड़ सविना निवासी शंकर पुत्र मानजी मीणा निवासी हकरा खण्ड मुगाणा पारसोला प्रतापगढ़ निवासी ट्रेक्टर चालक 1जून को सविना से नौला मेलडी माता की तरफ अपने घर पैदल पैदल जा रहा था। इस दौरान बीच रास्ते आए पिछे से आए दो बदमाश पीडिता का मोबाईल छिन ले गए।

प्रशिक्षक व खिलाड़ियों ने कलेक्टर को समस्याओं से अवगत कराया

उदयपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा शनिवार की सुबह फतहसागर पाल पर कायाकिंग केनोइग खिलाड़ियों से मिलने पहुंचे। राजस्थान कैनो स्प्रिट चेयरमैन पीयूष कच्छावा ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों व केंद्र की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

इस अवसर पर कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कच्छावा सहित पूर्व जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन, भारतीय ड्रैगन

■ **'डीएमएफटी फंड से प्राप्त राशि में से 70 लाख कायाकिंग केनोइग के विकास पर खर्च होंगे'**

फतहसागर पाल पर जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कायाकिंग खिलाड़ियों से मुलाकात की।

बोट चैयरमेन दिलीप सिंह चौहान और कायाकिंग प्रशिक्षक निश्चय सिंह चौहान और कायाकिंग एवँ केनो प्रशिक्षण केन्द्र पर राजस्थान के खिलाडी व उनके अभिभावकों से चर्चा की। केंद्र के प्रशिक्षक और खिलाड़ियों ने जिला कलेक्टर को विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया। जिसमें सेंटर पर इस खेल से संबंधित संसाधनों की कमी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तनिष्क पटवा ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मेडल जीतने पर भी इनामी राशि नही मिलना, यहाँ पर अन्य राज्यों के प्रति सीमित अथवा शून्य संसाधन है जो मुख्य समस्या है। उपस्थित अभिभावकों ने कलेक्टर को बताया कि जब भी यहाँ के बच्चे राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु अन्य राज्य में जाते है तो उन्हें टीए डीए नहीं मिलने व नियमित अभ्यास हेतु बोट्स की कमी आदि अन्य समस्याओं के बारे में कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने हर समस्या के उचित समाधान के साथ खिलाड़ियों को हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

कलेक्टर ने कहा कि डीएमएफटी फंड से प्राप्त राशि में से करीब 70 लाख रुपये उदयपुर मे कायाकिंग केनोइग खेल के विकास में व्यय किए जाएंगे। इसके साथ ही कलेक्टर ने इस खेल को राजस्थान राज्य खेल विभाग में रजिस्ट्रेशन करवाने की बात कही जिससे यहाँ के खिलाडियों एवं उनके अभिभावकों को आर्थिक राहत मिले। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय खिलाडी तनिष्क पटवा, राष्ट्रीय खिलाडी वंशराज चौहान सक्षम कुमावत, कनिष्का कुमावत, शगुन, जॉय कुमावत, चारवी, कांची, अनंत आदि खिलाडी और विशेषज्ञ मौजूद रहे।

भाषा बोधन वर्ग का उद्घाटन

उदयपुर, (कासं)। संस्कृत भारती उदयपुर विभाग की ओर से आयोजित छह दिवसीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग का उद्घाटन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता संस्कृत भारती के राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्र संयोजक तक सिंह राजपुरोहित, मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण परिषद के अखिल भारतीय नगरी संपर्क प्रमुख व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अनिल पंड्या व पूर्व संस्कृत संभागीय शिक्षा अधिकारी डॉ भगवती शंकर व्यास रहे। अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष संजय शांडिल्य द्वारा की गई।

मुख्य अतिथि भगवान् सहाय ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो धर्म का प्रचार-प्रसार करने, हर किसी को एकजुट करने और एक विश्व गुरु बनने में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा, विजय का मतलब धर्म विजय है. उन्होंने दावा किया, यही कारण है कि वेदों के ज्ञान या वेद विज्ञान और संस्कृति को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। यह सभी ज्ञान संस्कृत भाषा में है।मुख्य वक्ता डॉ. तगसिंह राजपुरोहित ने संस्कृतभारती का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि संस्कृत का प्रचार-प्रसार करना और संस्कृत-संभाषण सिखाकर इसे फिर से व्यावहारिक भाषा बनाना। जब लोगों के मन में संस्कृत के प्रति प्रेम जागेगा तो संस्कृति के प्रति भी स्वाभाविक प्रेम उत्पन्न होगा।

शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला का अभिनंदन किया

एकीकृत प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया ने शिक्षकों की ओर से शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला का अभिनन्दन किया।

उदयपुर, कासं)। शिक्षा मंत्री डॉ बी.डी.कल्ला स्वतंत्रता सैनानी स्व. नरेन्द्रपाल सिंह चौधरी राबाउमावि नाथद्वारा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करने श्रीजी की नगरी नाथद्वारा पहुंच कर राजभोग के दर्शन कियेदर्शन पश्चात सभी आगंतुक से मिले।

एकीकृत प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया ने राजस्थान के शिक्षकों की और से शिक्षा मंत्री कल्ला का स्वागत अभिनंदन कर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर शिक्षा संकुल जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष गिरिराज शर्मा के नेतृत्व में विगत 9 दिन से जारी धरने पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। शिक्षा मंत्री द्वारा दिए आश्वासन पर धरना समाप्ति की घोषणा की जाती है। इस अवसर पर स्वागत अभिनंदन के दौरान ममता दाधीच,अतिरिक्त निदेशक, समसा जयपुर, रविन्द्र तोमर, सीडीईओ राजसमन्द, प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया, प्रदेश उपाध्यक्ष भारत भूषण जोशी, विजय सारस्वत, उप जिला शिक्षा अधिकारी-संयुक्त निदेशक कार्यालय उदयपुर, देवकीनंदन गुर्जर (काका), शिक्षक संघ प्रतिनिधि राजराजेश्वर त्रिपाठी, निजी सचिव मोहन खंडेलवाल आदि उपस्थित रहे।

पेसिफिक विवि में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक विवि द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिमांशु बूच ने आरआरआर जिसका मतलब रिथिंकए रिइन्वेन्ट एवं रिडिजाईन होता है इसके महत्व के बारे में बताया।

उन्होने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे दिमाग में हजारों विचार आते है और उनको हकीकत में बदलने के लिए शरीर से आत्मा तक के समायोजन की आवश्यक होती है। हिमांशु बूच ने बताया कि विद्यार्थियों को लगातार सफलता हासिल करनी चाहिए।समारोह में विद्यार्थियों मे गजब का उत्साह देखने को मिला। पेसिफिक विवि के तत्वाध्वान में बारहवीं कक्षा मे सभी संकायों में उतीर्ण हुए प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिले भर के विद्यालयों से आए हुए टॉपर विद्यार्थियों के चेहरे अतिथियों से सम्मान पाकर खिल उठे।

उदयपुर शहर ही नहीं बल्कि जिले और सीमावर्ती 150 विद्यालयों के 350 से अधिक विद्यार्थी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह का शुभारम्भ हिमांशु बूच, मानस त्रिवेदी, प्रो.के.के. दवे, प्रो हेमन्त कोठारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विवि के कुलपति प्रो. के.के. दवे ने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नही होता, विद्यार्थी जीवन मे एक लक्ष्य निर्धारित करे और उस पर आगे बढते रहे तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। विश्वविद्यालय की छात्रवृति के बारे में उन्होने बताया कि कोई भी विद्यार्थी विद्यालय के किसी भी संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पेसिफिक विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने पर पूरे कोर्स पर 100 प्रतिशत छात्रवृति रहेगी इसी प्रकार द्वितिय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 75 प्रतिशत व चतुर्थ व पंचम स्थान आने पर 50 प्रतिशत छात्रवृति दी जायेगी।

आलाप 21 जून को

उदयपुर, (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संगीत दिवस के अवसर पर "आलाप 2023" का आयोजन किया जाएगा। शहर के युवा प्रतिभागी इसमें अपनी प्रस्तुतियाँ दे सकेंगे। भारतीय लोक कला मण्डल के निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय संगीत दिवस पर युवा प्रतिभाओं को रंगमंच पर प्रस्तुति के अवसर देने के उद्धेश्य से "आलाप-2023" का आयोजन कर रहा है। जिसमें लोक एवं सुगम संगीत के कलाकार प्रस्तुतियाँ देंगे।

सार-समाचार

मुआवजे की मांग

उदयपुर, (कासं)। सीटू जिलाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी ने ठेला व्यवसाई अहमद हुसैन की शनिवार को ही मौत के लिए भाजपा बोर्ड को दोषी बताते हुए नगर निगम, उदयपुर के भाजपा बोर्ड के जिम्मेदार पदाधिकारी एवं अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। सिंघवी ने कहा कि नगर निगम, उदयपुर का भाजपा बोर्ड ठेला फुटपाथ व्यवसाईयो को उनके अधिकार एवं सम्मान से रोजगार करने देने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा बोर्ड ठेला फुटपाथ व्यवसाईयो के प्रति क्रूर, अनैतिक एवं संवेदनहीन बना हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा बोर्ड ने ठेला व्यवसाइयो पर यह हमला कर अपनी उल्टी गिनती शुरू कर दी है। इधर ठेला व्यवसाई मजदूर यूनियन और संगठनों की बैठक यूनियन के अध्यक्ष गुमान सिंह राव की अध्यक्षता में माछला मंगरा स्थित सीटू कार्यालय में हुई, जिसमें शनिवार को हुई इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए मृतक के परिजनों को 50 लाख मुआवजा देने, परिवार में से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने एवं इस घटना के दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। बैठक में 5 जून को सुबह 10 बजे टाउन हॉल से रैली निकालकर जिला कलेक्टर, उदयपुर कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने के निर्णय करने के साथ दोपहर 2 बजे तक सभी ठेला व्यवसाईयों के अपना व्यवसाय बंद करने का भी निर्णय लिया गया।बैठक में कांठोस पार्टी के ब्लॉक हिरणमगरी गिर्वा के अध्यक्ष मुस्तफा शेख ने कहा कि भाजपा बोर्ड अपनी सारी ताकत गरीबों एवं ठेले वालों पर निकाल बहादुरी बताता है।उन्होंने कहा कि नगर निगम के उपमहापौर एक तरफ तो पुलिस वालों द्वारा ठेला व्यवसाई पर हुए हमले पर विरोध प्रकट करते हैं, वहीं दूसरी तरफ अपने अधिकारियों को निर्देश देकर लाचार ठेले वालों के रोजगार रोजी-रोटी पर हमला कर उनकी हत्या करवाते हैं।

जनसंवाद यात्रा 6 जून से

उदयपुर, (कासं)। जनता सेना राजस्थान द्वारा वल्लभनगर विधानसभा क्षैत्र में आम जन की समस्याओं के निराकरण के लिए संवाद यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जनता सेना सुप्रीमो रणधीर सिंह भिंडर ने शनिवार को लेकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि यात्रा 6 जून को वल्लभनगर विधान सभा क्षैत्र के पीथरपुरा पंचायत के अरणीया गांव से आरंभ होगी। यह यात्रा वल्लभनगर विधानसभा क्षैत्र के दो नगरपालिका क्षैत्रों के साथ ही सात सौं गांवों में जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान आम जन से सिधा संवाद कर उनकी विभिन्न समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा तथा उन समस्याओं के निदान के लिए प्रशासन से संपर्क किया जाएगा। भीण्डर ने बताया कि गहलोत सरकार द्वारा लगाए गए महंगाई राहत कैंप आफत कैंप के रूप में परिवर्तित हो गए है। जहां पर किसी समस्या के निदान के बजाय उनको और मुशकिल में डाला जा रहा है। सरकार थोथी घोषणाएं कर जनता को गुमराह कर रही है। वहीं भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। जन संवाद यात्रा के माध्यम से आम जन को अपने अधिकारों के प्रति भी सजग किया जाएगा।

बैठक आयोजित

उदयपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा के निर्देशानुसार शनिवार को राजीव गांधी ग्रामीण शहरी ओलंपिक की बैठक नगर निगम कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक शहरी खेलों के सफल आयोजन के लिए खेल ग्राउण्ड तैयार करवाना, खिलाड़ियों की आवास, अल्पाहार आदि व्यवस्थाएं, टेंट व साउंड व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी शकील हुसैन ने जानकारी दी कि जिले के सीएमएचओ एस.एल. बामनिया एवं नर्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश राजानी के साथ समस्त नर्सिंग कॉलेज व मेडिकल कॉलेज का दौरा कर अधिक से अधिक पंजीयन कराने की कार्रवा संपादित की गई है। इस अवसर पर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा नोडल अधिकारी सलोनी खेमका द्वारा सभी उपखण्ड अधिकारियों एवं विकास अधिकारियों को अधिकाधिक खिलाड़ियों का पंजीयन कराने के लिए निर्देश दिए गए।

किरन करेंगी हिंदी सम्मेलन में शिरकत

उदयपुर, (कासं)। भूटान की राजधानी थिंपू में 4 से 12 जून तक आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में शहर की कवयित्री व शिक्षाविद किरण बाला 'किरन' भाग ले रही हैं। इसके लिए वे रविवार को प्रस्थान करेंगी। सम्मेलन की राजस्थान संयोजिका किरन ने बताया कि वह इस सम्मेलन में काव्य पाठ करेंगी, आलेख प्रस्तुत करेंगी और साथ ही विभिन्न सत्रों का संचालन भी करेंगी। इस दौरान उनके साझा काव्य संकलन दिशाएं गा उठी है का लोकार्पण भी होगा।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर, एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री अमित कश्यप पुत्र श्री मोती लाल कश्यप एवं सह-ऋणी श्रीमती पूनम कश्यप पत्नी श्री अमित कश्यप** पर मांग सूचना **दिनांक 20.03.2023** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 28.02.2023 को बकाया राशि रू. 23,04,657.73 (रूपये तेईस लाख चार हजार छह सौ सतावन एवं पैसे तिहत्तर मात्र) प्लस दिनांक 06.07.2018 एवं 01.03.2023 से ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।

ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 29, माह मई, वर्ष 2023** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।

कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 29.05.2023 को बकाया राशि रू. 23,15,083.73 (रूपये तेईस लाख पन्द्रह हजार तिरासी एवं पैसे तिहत्तर मात्र) प्लस दिनांक 30.05.2023 से ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, शाखा कार्यालय- सेक्टर 4, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान** के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री अमित कश्यप पुत्र श्री मोती लाल कश्यप के नाम आवासीय सम्पत्ति एक मंजिला मकान नं. 4-घ-13, हिरण मगरी, सेक्टर 4, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 44.43 वर्ग मीटर है। **सीमाएं-** उत्तर: अन्य हाउसिंग बोर्ड मकान, दक्षिण: रोड़, पूर्व: मकान नं. 4-घ-17, पश्चिम: मकान नं. 4-घ-12

स्थान: उदयपुर हस्ता.
दिनांक: 29.05.2023 प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबन्धक

राजस्थान सरकार

कार्यालय राजस्थान मेडिकेयर रीलिफ सोसायटी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटडा, ब्लॉक-कोटडा (उदयपुर)

क्रमांक:/निविदा/58 दिनांक:-03.06.2023

निविदा-सूचना

कार्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटडा, ब्लॉक कोटडा, जिला उदयपुर (राज.) पर वर्ष 2023-24 में इस कार्यालय के अधिन डिलीवरी पोंईटं चिकित्सा संस्थान पर सफाई व्यवस्था हेतु अनुभवी एवं पंजीकृत सेवा प्रदाता एजेन्सी से उक्त कार्य हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दिनांक 04.06.2023 से 08.06.2023 को 10.00 बजे तक बेची जायेगी तथा दिनांक 09.06.2023 को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त की जाकर निविदा दिनांक 09.06.2023 को ही 02.00 बजे गठित कमेटी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	संस्थान का नाम	अवधि	अनुमानित लागत (रूपये में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा शुल्क (रूपये में)
1.	सफाई व्यवस्था (सफाई कर्मचारी मय सफाई सामग्री)	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटड़ा	1 वर्ष	360000/-	7200/-	400/- रूपया

शर्ते :-

1. धरोहर राशि "डी.डी." द्वारा "राजस्थान मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटड़ा" के नाम से कोटड़ा में देय होगी।
2. निविदायें निहित प्रारूप में प्रस्तुत की जावेगी जिन्हें इस कार्यालय से नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा शर्ते कार्यालय में उपलब्ध है जिन्हें निविदादाता किसी भी कार्य दिवस समय में उपस्थित होकर देख सकता है।
4. समिति न्यूनतम दर वाली निविदा को स्वीकार करने हेतु बाध्य नहीं है तथा यह किसी भी निविदा या निविदा के किसी भाग को बिना कोई कारण बताये रद्ध कर सकता है।
5. दरें संस्थान हेतु देना अनिवार्य होगा।

सचिव
राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी एवं
वरिष्ठ चिकित्सा प्रभारी, कोटडा
ब्लॉक कोटडा, उदयपुर

जिला स्तरीय बैठक कल

उदयपुर, (कासं)। मेवाड वागड हाईकोर्ट में संघर्ष समिति की नव गठित जिला स्तरीय संघर्ष समिति की जिला स्तरीय बैठक सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में स्थित बार सभागार में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में उदयपुर जिले के समस्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महासचिव को आमंत्रित किया गया है।

जिला संघर्ष समिति के संयोजक सत्येंद्र पाल सिंह छाबडा ने बताया कि इस बैठक में मेवाड वागड हाई कोर्ट बेंच संघर्ष समिति द्वारा जून और जुलाई में किए जाने वाले कार्यक्रमों गतिविधियों के संदर्भ में जिला स्तरीय बार एसोसिएशन से जुडे अध्यक्ष और महासचिव को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। जिला संघर्ष समिति के संयोजक चेतन पुरी गोस्वामी ने बताया कि इस बैठक में जिला संघर्ष समिति के विस्तार पर भी चर्चा होगी तथा बैठक में उदयपुर सलूंबर खेरवाडा भिंडर कानोड मावली गोगुंदा वल्लभनगर सहित खंड उपखंड व तहसील स्तर पर बनी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वह महासचिव को आवश्यक रूप से आमंत्रित किया गया है ताकि उनकी सहभागिता आगामी आंदोलन में सुनिश्चित की जा सके।

शिल्पग्राम में 'केप्चरिंग टाइगर्स इन चारकोल' कार्यशाला शुरू

उदयपुर, (कासं)। चारकोल की कालिमा और पुराने अखबारों की स्याही भी कलात्मक चित्रों को आकर्षक स्वरूप देती है। यह स्वरूप चित्रकारों की मौलिक सोच और कल्पनाशीलता पर निर्भर करती है। चारकोल के माध्यम से केनवास और कागज़ पर शेर को चित्रित करने वाले प्रसिद्द कलाकार विजय कुमावत ने अपने अनूठी कला के कारण कला जगत में एक सम्मान जनक स्थान बनाया है।

सवाईमाधोपुर से आये श्री विजय कुमावत, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा शिल्पग्राम में आयोजित -केप्चरिंग टाइगर्स इन चारकोल- कार्यशाला में अपने हुनर का प्रशिक्षण उदयपुर और पास के क्षेत्रों से आये कलाकारों और जिज्ञासुओं को दे रहे हैं। 5 जून तक चलने वाली इस कार्यशाला में विजय कुमावत प्रतिभागियों को इस विशेष शैली का व्यवहारिक ज्ञान देंगे।

आज सुबह इस कार्यशाला का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से हुआ। केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी विलास जानवे ने विशेषज्ञ विजय कुमावत और संभागियों का स्वागत करते हुए केंद्र की इस कार्यशाला पर प्रकाश डाला। विजुअल आर्ट्स के प्रभारी शूरवीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर केन्द्र के सुनील निमावत, चन्द्र शेखर सुखवाल, विवेक पारख, सुनील टाक, पूजा सैनी, करण सिंह, जागृति, शर्मीला, नारायण, मांगीलाल आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में सृजित चित्रों का 5 जून को प्रदर्शित किया जाएगा। संचालन दुर्गेश चांदवानी ने किया।

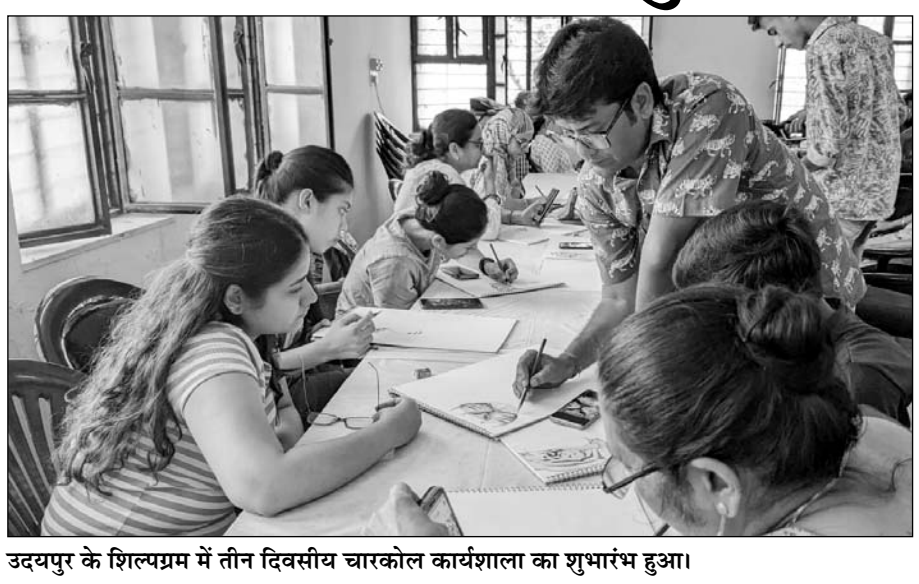

उदयपुर के शिल्पग्रम में तीन दिवसीय चारकोल कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

धोखाधड़ी से जमीन बेच कर नकदी हड़पने वाले गिरोह का पर्दाफाश

धोखाधड़ी से जमीन बेच कर लाखों रूपये हड़पने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

राजसमंद, (निसं)। राजनगर थाना पुलिस ने एक ही जमीन का अलग-अलग लोगों के नाम पर विक्रय इकरारनामा कर लाखों रुपये हड़पने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर मुख्य सरगना सहित 3 जनों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी डॉ. हनवन्त सिंह राजपुरोहित ने बताया कि 2 जुलाई 2021 को नारीश्वर राव (42) पुत्र उग्रसेन राव निवासी चित्रकूट नगर उदयपुर ने देवेन्द्र पुत्र किशनसिंह राजपूत निवासी भीलवाडा ,शंकरसिंह पुत्र किशनसिंह राजपूत निवासी भीलवाडा, कन्हैयालाल योगी निवासी भीलवाडा, मोहम्मद हुसैन गौरी पुत्र मिठूखान निवासी माटा मोहल्ला कांकरोली, देवीलाल पुत्र नानालाल पालीवाल निवासी मालनिया चौक राजसमंद के खिलाफ थाना में रिपोर्ट लिखवाई कि वहआवश्यक कार्य से अपने मित्र ओम प्रकाश पालीवाल से मिलने राजसमंद आया हुआ था। जहां पर उसकी मुलाकात ओम के दूर के रिश्तेदार देवीलाल जो कि प्रोपर्टी का व्यवसाय करता है उससे एवं उसके साथी मोहम्मद गौरी से हुई। देवीलाल एवं मोहम्मद गौरी ने हमें बताया कि देवेन्द्र सिंह की एक जमीन जो कि राजस्व ग्राम देवपुरिया में स्थित है। जो कि कुलिया 24 बीघा 8 बिस्वा हौ जिसमें देवेन्द्र सिंह का 1/2 यानि कुलिया 12 बीघा 4 बिस्वा है। जुलाई 2018 को देवीलाल एवं मोहम्मद गौरी ने हमें देवेन्द्रसिंह से मिलावाया

तो उनके साथ शंकरसिंह व कन्हैयालाल उर्फ बबलू भी साथ में थे। आरोपियों ने जमीन को हमें 85,00,000०रुपये में विक्रय करने का प्रस्ताव रखा। देवेन्द्र सिंह ने शंकरसिंह व कन्हैयालाल के समक्ष एक इकरारनामा भी उक्त जमीन के बेचान बाबत मेरे पक्ष में निष्पादित किया। मैंने साई पेटे का 11,00,000 रुपये एक चेक दिया जो देवेन्द्र सिंह ने अपने खाते में डाल कर रुपये प्राप्त कर लिये। उसके बाद 10,00,000 का एक चेक व 10,00,000 रुपये प्रार्थी ने देवेन्द्रसिंह को और दिये वो भी अभियुक्त देवेन्द्र सिंह ने प्राप्त कर लिये तथा कब्जा सुपुर्द कर दिया गया। जिस पर मेरा कब्जा है। विक्रय इकरार में वर्णित शर्तानुसार मैंने आरोपियों से बकाया रुपये ले कर उपरोक्त जमीन की रजिस्ट्री मेरे पक्ष में कराने को कहा तो उन्होंने आज -कल में राजसमंद आकर रजिस्ट्री कराने को कहा। उपरोक्त जमीन आरोपियें के नाम पर नहीं थी तथा ये जानकारी आरोपियों को होते हुए भी मुझे पुरानी नकलें दिखाकर धोखधडी से जमीन को मुझे बेच कर 41रुपये ले लिये। रिपोर्ट पर

■ शातिर आरोपी विक्रय इकरारनामा कर करते थे सौदा

प्रकरण दर्ज कर एसपी सुधीर जोशी, एएसपी शिवलाल बैरवा एवं सीआई बेनीप्रसाद मीणा के निर्देशन में टीम का गठन कर कार्यवाही करते हुए नामजद आरोपियों- मोहम्मद हुसैन गौरी, देवेन्द्र सिंह, शंकर सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभी पुलिस रिमांड में चल रहे हैं जिनसे पूछताछ जारी है।

देवपुरिया बडारडा थाना राजनगर में स्थित जमीन देवेन्द्र सिंह के नाम पर होकर देवेन्द्र सिंह एवं गिरोह के अन्य सदस्य ने मिलकर उक्त जमीन को विक्रय इकरारनामा के जरिये पहले 6 बीघा 2 बिस्वा भवानी शर्मा निवासी विजयनगर अजमेर को 2015 में करीब 11 लाख रुपये एवं 3 बीघा जमीन महादेव साहु निवासी भीलवाडा को 2017 में बेच चुके थे एवं उसकी एवज में करीब 26 लाख प्राप्त कर चुके हैं। तीनों आरोपियों ने मिलीभगत कर ये घोटाला किया। मोहम्मद हुसैन गौरी के खिलाफ एक प्रकरण मारपीट का दर्ज है। देवेन्द्र सिंह के खिलाफ 3 प्रकरण दर्ज है। शंकर सिंह के खिलाफ मारपीट, धोखाधडी के 4 प्रकरण दर्ज हैं।

सुरता को मिला 7 योजनाओं का लाभ

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में महंगाई राहत कैंप तथा प्रशासन गांवों एवं शहरों के संग अभियान शिविरों में सर्वत्र उत्साह देखा जा रहा है। हर वर्ग शिविर में लाभान्वित होकर सरकार व मुख्यमंत्री का आभार जता रहा है।शनिवार को कोटड़ा के देहरी में आयोजित महंगाई राहत कैंप क्षेत्र की सुरता पारगी के लिए राहत के साथ खुशियां लेकर आया।

इस दौरान कैम्प प्रभारी एसडीओ बीनू देवल ने बताया कि शिविर की जानकारी मिलने पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ कैंप में पहुंची सुरता ने पंजीकरण करवाया और पंजीकरण पश्चात उसे 7 योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी मिली तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। शिविर में समाजसेवी सुनील कुमार भजात, विकास अधिकारी धनपत सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने लाभार्थी सुरता पारगी को विभिन्न योजनाओं के मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड सौंपे और बधा दी। सुरता को मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा नि:शुल्क फुड योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, इंदिरा गांधी गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना घरेलू मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुघर्टना बीमा योजना व मुख्यमंत्री कामधेनु योजना का लाभ मिला। शिविर में लाभान्वित होने पर सुरता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व स्थानीय प्रशासन का आभार जताया।

सार-समाचार

5 विद्यार्थियों के 84 प्रतिशत से अधिक अंक

भीम, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के दसवीं बोर्ड परीक्षा में ग्राम पंचायत मंण्डावर के पांच विद्यार्थियों ने 84 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर रिकॉर्ड बनाया है। प्रथम स्थान पर रही अनिता चौहान पुत्री पूनम सिंह आंदडाई मंण्डावर ने 96.83प्रतिशत अंक, द्वितीय स्थान पर धवल चावला पुत्र शंकरलाल चतरपुरा मंण्डावर ने 95प्रतिशत अंक, तिलकवर्धन सिंह पुत्र जसवन्त सिंह खजुरिया मण्डावर ने 90.67प्रतिशत आर्यन सिंह चौहान/ रतन सिंह जी नामाकाकर मंण्डावर 84.33 तथा प्रतिशत लग्नेशपाल सिंह पुत्र जसवन्त सिंह सिरोला मण्डावर ने 84 प्रतिशत अंक हासिल कर रिकॉर्ड बनाया है। वही भावेश चावला पुत्र मोहनलाल चावला ने 75 प्रतिशत , सोनू कुमारी के 74प्रतिशत दीक्षा चौहान पुत्री जवान सिंह 73.83प्रतिशत , योगेश चावला पुत्र छगनलाल ने 71 प्रतिशत देवांशी पुत्री मिठू सिंह के 66.33 प्रतिशत गणपत सिंह पुत्र मोहन सिंह ढाक ने प्रतिशत 83 प्रतिशत अंक हासिल किए है।मंण्डावर सरपंच प्यारी कुमारी चौहान ने सभी बधाईया प्रेषित करते हुए भविष्य में मंण्डावर का नाम रोशन करने की बात कही है। लोको पायलट जसवन्त सिंह मंण्डावर ने भविष्य में शिक्षा हर सम्भव सहायता हेतु की बात कही है।पिता पूनम सिंह सेवानिवृत सैनिक है। अनिता चौहान 96.83 प्रतिशत चार साल पहले पापा को खोया। माता ने घर घर कपडे बेचकर कठिन परिस्थितियों में पढ़ाया। भविष्य में डॉक्टर बनना चाहता है।धवल चावला 95 प्रतिशत पिता जसवन्त सिंह पेशे से अध्यापक है, माता आंगनवाडी कार्यकर्ता है। बडे होकर प्रशासनिक अधिकारी बनना ख्वाब है। तिलकवर्धन सिंह 90.67 प्रतिशत पिता रतन सिंह बीएसएफ में कार्यरत है। माता गृहिणी है। बडे होकर सैन्य अधिकारी बनना चाहता है।आर्यन सिंह चौहान 84.33 प्रतिशत पिता जसवन्त सिंह लोको पायलट है। माता प्यारी कुमारी मण्डावर सरपंच है।

चोरों के हौसले बुलंद

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरों और बदमाशों के हौसले बुलंद होने और पुलिस का खौफ कम होने से चोरो के हौसले बुलंद हो रहे है। बदमाशों ने शुक्रवार देर रात्रि को एक बार फिर से शहर के रिक्कों क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दी है। निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शनिवार को सुबह दुकान पहुंचे कार्मिको ने इसकी सूचना दुकानदार मुस्ताक अहमद पुत्र अमीर खां को दी। पीडित गौदाम मालिक ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर कोतवाली पुलिस मौके पहुंची तथा मौका मुआवना कर आस-पास के क्षेत्रों के सीसी टीवी फुटेज के आधार बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। मुस्ताक अहमद अमीर खां ने बताया कि बदमाशों ने गोदाम में दाखिल होने के बाद दुकान में लगे करीब सात सीसी टीवी कैमरे लगे है।कुछ कैमरे को दिशा बदल दी तो कई कैमरे तोड दिए। वहीं गोदाम के एक कमरे का ताला तोडकर कमरे में लगे सीसी टीवी के डीवीआरएवाइफाई राउटर, सहित अन्य इलेट्रोनिक सामग्री को पर हाथ साफ कर दिए। बदमाशों ने कमरे में लगे फर्नीचर की दराजे भी तोड कर अंदर रखे सामान को बिखेर दिया। गोदाम मालिक ने बताया कि कैमरे डीवीआरए वाईफाई राउटर सहित अन्य इलेक्ट्रोनिक सामान की कीमत करीब 3० हजार का सामान नुकासान पहुंचा तथा दुकान में रखे गल्ले को उठाकर अपने साथ ले गए। गल्ले में करीब सात हजार रूपए चिल्लर और कुछ कैश तथा एक मोबाईल फोन रखा हुआ था। गल्ला तोडकर उसे चुराि लया तथा गल्ले के पास ही मार्बल गोदाम में फैंक चला गए। जिसे पुलिस ने बरामद कर दुकानदार को सुपुर्द किया।

हार्डवेयर की दुकान में लगी आग

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात को अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर पूरी तरह से राख हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर नगर परिषद की दो फायर ब्रिगेड की गाडी मौके पर पहुंची तथा घंटो मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत झौंथरी में बालाजी हार्डवेयर की दुकान पर शुक्रवार देर रात को आग लग गई आग लगने से आसपास क्षेत्र में हडकंप मच गया। मौके पर ग्रामीण ने पानी डालकर कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। मौके पर दुकान मालिक रसिक कलाल भी मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने इसकी सूचना डूंगरपुर नगर परिषद फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलने पर फायर मेन प्रवीण कुमार प्रजापत, कांतिलाल, प्रदीप चालक दीपक सहित दो गाडियां मौके पर पहुंची। दुकान में आग ज्यादा होने से फायर ब्रिगेड की दोनों गाडियों को आग पर काबू पाने के लिए घंटो मशक्कत करनी पडी। आग को काबू पाने में सुबह हो गई। आग की चलते दूकान में रखा हार्डवेयर का सामान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। दुकानदार रसिकलाल ने बताया कि दुकान के जलने से करीब 70 लाख का नुकसान होना बताया।

स्वछता अभियान का आयोजन

मावली, (निसं)। कस्बे के वल्लभनगर रोड स्थित आज बार एसोसिएसन मावली के अधिवक्ता गण द्वारा स्वछता अभियान के अंतर्गत वल्लभनगर रोड पर स्थित नाथेला तालाब की पाल पर साफ सफाई कर स्वछता अभियान का आयोजन किया गया जिसमे सभी अधिवक्ताओ ने साथ मिलकर गाजर घास, सूखे पत्तो एवम प्लास्टिक की थेलियों कचरे को हटाकर एक स्वछता का संदेश दिया उक्त आयोजन के दोरान अध्यक्ष संपत सामोता, महासचिव दीपक कुमार गुर्जर, पुस्तकालय सचिव दिनेश डांगी, दिनेश पालीवाल, प्रवक्ता शैलेश मीणा,सुशील हीनोनिया, विकाश सोनी, भाविन जैन,शिवदयाल राव,अर्चना जैन, राकेश प्रजापत्,पूरण लोहार,नीरज जैन, विनोद गोस्वामी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

लाभार्थियों को गारंटी कार्ड बांटे

डूंगरपुर, (निसं)। राज्य आयुक्त विशेष योग्यजन (राज्यमंत्री दर्जा) उमा शंकर शर्मा ने शनिवार को ग्राम पंचायत रोडा, माण्डली एवं सीमलवाडा में चल रहे महंगाई राहत कैंप एवं प्रशासन गांवो के संग अभियान का अवलोकन किया। महंगाई राहत कैंप एवं प्रशासन गांवो के संग अभियान में राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभार्थियों से संवाद किया और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिविर में लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गारंटी भी सौंपे। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी, सरपंच सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सार-समाचार

हेलमेट अभियान चलाया

डूंगरपुर, (निसं)। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को कम करने के लिए शनिवार को जिलेभर में पुलिस की ओर से हेलमेट अभियान चलाया गया। सडकों और चौराहों पर खडे होकर पुलिस ने बाइक और स्कूटी सवारों को रुकवाया। हेलमेट नहीं पहनने पर चालान काटा। वहींए कई वाहनधारी पुलिस से बहस करते दिखे तो कई छोड देने की गुहार लगाते हुए नजर आए।कोतवाली सीआई सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि सडक हादसों में कमी लाने के साथ ही एक्सीडेंट में होने वाली मौत को रोकने के लिए विशेष हेलमेट अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कोतवाली थाना क्षेत्र में तहसील चौराहा और सिंटेक्स तिराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच जा रही है। इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक और स्कूटी सवारों को रोककर उनके चालान काटे। कई वाहनधारी चालान की राशि सुनकर चौंक गए। वहीं, कई वाहनधारी पुलिस के सामने हाथ जोडकर छोडने के लिए गुहार लगाते रहे। कुछ वाहन सवार अपने परिचित को फोन कर उनसे गाडी छुडवाने के लिए कहते रहे। पुलिस ने ट्रेफिक रूल्स के साथ ही सुरक्षा का हवाला देते हुए चालान काटे। वहीं, जिन गाडी वालों ने चालान नही भरा उनकी गाडियों को जब्त कर थाने में रखवाया गया है। पुलिस की ओर से सुबह साढे 11 बजे तक 3० से ज्यादा गाडयिों के चालान काटे गए है। जिले के सभी 15 थाना पुलिस की ओर से उनके क्षेत्र में नाकाबंदी कर हेलमेट के खिलाफ अभियान चलाया गया।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना पुलिस ने हाईवे पर दो होटलों पर छापेमार कार्रवाई की। होटलों पर ग्राहकों को बैठाकर अवैध तरीके से शराब पिलाई जा रही थी। पुलिस ने होटलों से अवैध शराब के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बिछीवाडा थानाधिकारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर डूंगरपुर रोड पर गोल्डन टावर होटल पर पहुंचे। होटल के टेबल पर बैठे ग्राहकों को बैठाकर शराब पिलाई जा रही थी। पुलिस को देखकर शराब पीने वाले ग्राहक भाग गए। होटल संचालक ने अपना नाम रविंद्र सिंह पुत्र नवलसिंह चौहान निवासी बिछीवाडा बताया। होटल की तलाशी में अंदर कमरे में किंग फिशर स्ट्रॉन्ग के 2 कार्टन 17 बीयर फॉर सेल इन राजस्थान मिली। शराब बेचने और रखने को लेकर कोई लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने शराब को जब्त कर आरोपी रविन्द्र सिंह चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दूसरी कार्रवाई नेशनल हाईवे 48 पर गुरुनानक होटल पर की गई। होटल पर लोगों को बैठाकर शराब पिलाई जा रही थी। होटल पर 2 कार्टन में 2० बोतल बियर फॉर सेल इन राजस्थान बरामद की है। होटल पर शराब बेचने का लाइसेंस नहीं मिलने पर संचालक राहुल पुत्र मोहन अहारी को गिरफ्तार कर लिया है।

विद्यार्थियों ने साइकिल रैली निकाली

बांसवाड़ा, (निसं)। राउमावि कुपडा में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष में एनएसएस के विद्यार्थियों ने विद्यालय से साइकिल रैली निकाली। साइकिल रैली को ब्लॉक बांसवाडा आरपी सीमा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आरपी सीमा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये जहां तक आवश्यकता हो वहीं पर हमें मोटरसाइकिल का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी हमें साइकिल चलानी चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विजयकृष्ण वैष्णव, उप प्रधानाचार्य अमित सोनी, डिंपल सोनी आदि मौजूद रहे। विद्यालय में एफएलएन के साथ छात्र छात्राओं को मेहंदी, सिलाई, कढाई बुनाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साइकिल रैली में विद्यालय के 30स्वयंसेवकों ने भाग लिया। संचालन एनएसएस प्रभारी अनवर उद्दीन शेख ने किया।

डोडा चूरा की तस्करी करते एक गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले में एसपी सुधीर जोशी,एएसपी शिवलाल बैरवा, सीआई बेनीप्रसाद मीणा के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वालो के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए राजनगर थाना पुलिस ने करीब 52 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा की तस्करी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही तस्करी के प्रयुक्त कार भी जब्त की गई है।

थानाधिकारी डॉ. हनवन्त सिंह राजपुरोहित ने बताया कि अभियान के तहत गठित विशेष पुलिस टीम ने2 जून को मुखबिर की सूचना पर बद्रीलाल उर्फ कालू(42)निवासी खान्या बस्ती राज्यावास को नौ चौकी रोड से सेवाली राजनगर की तरफ जाने वाले रोड पर कार में बिना वैध कागजात या अनुज्ञा-पत्र के तीन कट्टों में करीब 52 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा ले जाते हुए धरदबोचा। पुलिस ने मादक प्रदार्थ व कार को जब्त कर लिया।

भूमि पूजन के साथ प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

बांसवाड़ा, (निसं)। बडोदिया में बुनकर समाज की ओर से आगामी 9 से 12 जून तक श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की कडी में मंदिर वास्तु एवं भूमि पूजन के साथ में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

आचार्य किशोर त्रिवेदी ने बताया कि मंदिर वास्तु के यजमान गौतम लाल एवं भूमि पूजन के यजमान अमृतलाल परिवार रहे। मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष रूपजी बुनकर ने बताया कि मंदिर प्रतिष्ठा के लिए बुनकर समाज के साथ चौखलो के समस्त पंचों को पीले चावल एवं पत्रिका भेजकर आमंत्रण दिया गया है। कार्यक्रम में बुनकर समाज सम्मेलन भी होगा एवं 11 तारीख को संतों एवं समाज के पंचों के सानिध्य में विशाल कलश एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गो से होते

श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत भूमि पूजन कर यज्ञ में यजमानों ने आहुतियां दी।

हुए पुनरू मंदिर पहुंचेगी। महोत्सव की तैयारियों के मद्देनजर युवाओं ने अपने स्तर पर गांव के समस्त चौराहे को झंडे एवं बैनर से सजाने का कार्य शुरू कर दिया है। कोदरा भाई एवं रूपजी ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये तीनों चोखरों के समस्त युवाओं की बैठक में जिम्मेदारियां सौंपी गयी। संजय एवं गेबीलाल ने बताया कि गांव में निवासरत समस्त 31 जातियों को भी सप्रेम आमंत्रण पत्र दिया गया है।

विद्युत मोटर चोरी की घटना का खुलासा, दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिला पुलिस द्वारा चलाये जा चोरी, लूट नकबजनी में वाछित आरोपियों की धरकपड अभियान के तहत साबला पुलिस को सफलता मिली है। साबला पुलिस ने विगत दिनों क्षेत्र के उम्मेदपुरा में कुएं से हुई पानी की विद्युत मोटर चोरी की घटना का खुलासा कर सरकार राईडर ग्रुप के 2 आरोपी को गिरफ्तार कर तीन बाल अपचारी को निरुद्ध कर आरोपियों से पानी की मोटर भी बरामद की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उम्मेदपुरा निवासी नटवरसिंह पुत्र मोतीसिंह राजपुत ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसके कुएँ पर स्थित एक पानी की विद्युत मोटर लगाई थी, जो अज्ञात बदमाश चोरी करके ले गये थे। जिस पर साबला पुलिस ने कार्यवाही करते हुए

मोटर चोरी की घटना का खुलासा कर पुलिस ने दो गिरफ्तार किये।

वारदात में लिप्त सरकार राईडर ग्रुप के आसपुर निवासी 19 वर्षीय कल्पेश मीणा तथा साबला निवासी धनपाल मीणा को गिरफ्तार कर 3 बाल अपचारी को निरुद्ध किया। साथ ही पानी की विद्युत मोटर को बरामद किया।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया

राजसमंद,(निसं)।जिले के मोही कस्बे के राजकीय नंदलाल जोशी उच्च माध्यमिक विद्यालय में दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। प्रधानाचार्य उमेश कुमार शर्मा ने बताया कि विद्यालय की ओर से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से आयोजित दसवीं बोर्ड परीक्षा में 69 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें 39 बच्चे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 27 बच्चे द्वितीय श्रेणी में तथा तीन बच्चे तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कक्षा 10 के सभी बच्चे उत्तीर्ण होने से विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। दसवीं कक्षा में सर्वाधिक अंक लाने वाली बालिका आशा खटीक ने 95 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय का नाम जिले में रोशन किया। इसी प्रकार 12वीं परीक्षा में कन्यालाल तेली, गायत्री तेली तथा ललिता तेली ने सर्वाधिक अंक लाकर विद्यालय व गांव का नाम रोशन किय।

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने चातुर्मास स्थल का निरीक्षण किया

मंडफिया, (निसं)। संत शिरोमणि अमरा भगत की तपोस्थली अनगढ बावजी की धूणी पर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से भव्य मंदिर का निर्माण होगा। इस संबंध में सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना अनगढ बावजी तीर्थ स्थल पर पहुंचकर अमरा भगत सेवा संस्थान कमेटी के एवं सनातन चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों से वार्ता कर विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन किया।

इस मौके पर मंत्री आंजना ने पदाधिकारियों से पूछा कि यहां बावजी की धूणी पर मंदिर निर्माण क्यों नहीं हुआ। इस पर पदाधिकारियों ने मंत्री आंजना को बताया कि बावजी की सहमति नहीं मिलने के कारण मंदिर निर्माण नहीं हो सका। इस पर मंत्री आंजना ने मौके पर ही हां व ना के सहमति पत्र तैयार करवाकर बावजी के धूणी के पाट पर रखवाए। जिस पर बावजी ने हां में सहमति प्रदान की है। इस पर मंत्री आंजना खुश होते हुए अपनी ओर से यहां भव्य मंदिर निर्माण कराने की घोषणा की। मंदिर निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू होगा। इस मौके पर मंत्री आंजना ने यहां आगामी

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने चातुर्मास स्थल का निरीक्षण किया।

1 जुलाई से प्रारंभ होने वाले अवधेश चैतन्य जी महाराज के चातुर्मास की चल रही तैयारियों का जायजा लिया। मंत्री आंजना ने चातुर्मास स्थल का, संत कुटिया का, पैनोरमा स्थल का एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। इससे पहले सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना एवं विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा ने बावजी के धूणी के दर्शन किए। अमरा भगत सेवा संस्थान कमेटी एवं सनातन चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों ने मंत्री आंजना, अध्यक्ष शर्मा व उपाध्यक्ष शर्मा का उपरना ओढ़ाकर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष रतन लाल गाडरी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र जाट, सचिव एवं भूपालसागर प्रधान हेमेंद्र सिंह राणावत, कार्यालय प्रमुख घनश्याम महुडिया, समिति के सदस्य भगवान लाल तिवारी, हजारी दास वैष्णव, अशोक रायका, अशोक शर्मा, ममतेश शर्मा, भादसोड़ा सरपंच शंभू लाल सुथार, मंडफिया सरपंच पति फारूक मोहम्मद सहित कई उपस्थित थे।

मतदाता जागरुकता का संदेश दिया

डूंगरपुर, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव 2023 स्वीप गतिविधियों के तहत विश्व साइकिल दिवस पर शनिवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमेन्द्र नागर एवं स्वीप प्रभारी अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेन्द्रसिंह राठौड के मुख्य आतिथ्य में रिंग रोड से बादल महल होते हुए बर्ड सेंचुरी तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। साइकिल रैली में जिले के शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्काउट, एनसीसीएम, नेहरू युवा केंद्र, राजीविका, के समस्त अधिकारीगण एवं कार्मिक तथा एनसीसी कैडेट ने भाग लिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी हेमेन्द्र नागर ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मतदाता जागरूकता अंतर्गत साइकिल रैली के माध्यम से सभी मतदाताओं एवं योग्य मतदाताओं जो 1 अक्टूबर को 18 वर्ष आयु प्राप्त कर रहे है। मतदाता को मतदाता सूची से जोडने का आ ान किया गया। इस अवसर पर राजीविका के प्रबंधक हितेष चौबीसा, नेहरू युवा समन्वयक प्रदीप कुमार मीणा, सीडीपीओ लक्ष्मी भगोरा, महिला सुपरवाइजर सहित छात्र-छात्राओं और स्काउट-गाइड ने रैली में भाग लिया।

बुनकर समाज की ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

बुनकर समाज की ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

बांसवाड़ा, (निसं)। बुनकर समाज घाटोल की ओर से मीणा समाज खेल मैदान में ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ मीणा समाज सेवा संस्थान अध्यक्ष प्रभुलाल बुज के मुख्य आतिथ्य, गौतम लाल बुनकर की अध्यक्षता एवं गिरदावर गणेश बरोड, सरपंच अशोक भील, महिपाल बरोड, मोतीलाल, डॉ विपिन बुनकर के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। स्वागत गौतम लाल बुनकर ने किया।

मुख्य अतिथि बुज ने हर क्षेत्र में चाहे वह राजकीय सेवा का हो या खेल का हो अपनी शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का आव्हान किया। गणेश बरोड ने शिक्षा पर बल देते हुए शिक्षार्जन के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर अशोक भील, मोतीलाल, डॉ. विपिन बुनकर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्रतियोगिता में 26 टीमों ने भाग लिया। शुभारंभ अवसर पर पहला मैच बडीपडाल व देलवाडा रावना की टीमों के मध्य हुआ जिसमें बडपडाल विजेता रही। आयोजित कार्यक्रम में बुनकर सेवा संस्थान के अध्यक्ष भगवतीलाल बुनकर, हितेश, सौरभ, सुरेश, मुकेश, नरेश, जय किशन, चेतन, लवेश, सतीश, निलेश, हिमेश, मेहुल, सुमित बुनकर आदि ने सहयोग प्रदान किया।

'मुझे भी सरकार गिराने के लिए खरीदने का प्रयास हुआ'

मंत्री गोविन्द राम मेघवाल ने सह प्रभारी काजी निजामुद्दीन के सामने दावा किया

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच अंतर्द्वंद को समाप्त करने के लिए 29 मई को दिल्ली में चर्चा होने के बाद अभी तक सुलह का फार्मूला तो सामने नहीं आया है, लेकिन इधर 11 जून को राजस्थान में सचिन पायलट की ओर से नई पार्टी के गठन को लेकर चर्चाओं का बाजार बहुत गर्म हो चुका है। राजनीतिक लोगों से लेकर मीडिया तक में 11 जून को पार्टी गठन होने का दावा किया जा रहा है।

इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि ना तो आलाकमान सचिन पायलट को लेकर कोई फैसला ले रहा है, ना सुलह का फार्मूला सामने आ रहा है। यही कारण है कि दिल्ली से लौटकर सचिन पायलट ने टोंक में अपनी तीन मांगों को लेकर किसी तरह के समझौते से इनकार किया है। वहीं अशोक गहलोत पहले ही इन तीन मांगों को नकार चुके हैं। ऐसे में समझौते की गुंजाइश बची नहीं है। फिर भी कहा जा रहा है कि 7 जून को राहुल गांधी के विदेश से वापस आने तक सचिन पायलट इंतजार करेंगे, इसके बाद अपना फैसला बताएंगे।

■ **क्या पायलट राहुल के लौटने व उनसे बात करने के बाद अपनी भूमिका के बारे में फैसला करेंगे?**

वहीं अब अशोक गहलोत खेमे के मंत्री फिर बाड़ेबंदी, विधायकों की खरीद-फरोख्त और सरकार गिराने की कोशिशों पर बयानबाजी करने लगे हैं। राजस्थान के सह प्रभारी काजी निजामुद्दीन के सामने राजस्थान के मंत्री और भाजपा से कांग्रेस में आए गोविंद राम मेघवाल ने दावा किया है कि अशोक गहलोत की वजह से सरकार बच गई वरना, उन्हें भी खरीदने का प्रयास किया गया था जिसकी रिकॉर्डिंग उनके पास कहीं मौजूद हो सकती है।

राजस्थान के आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें भी खरीदने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा, मुझे भी फोन आया था, लेकिन मैंने कह दिया पैसे में पशु बिकते हैं, इंसान नहीं बिकते। मेघवाल ने ये भी कहा कि हमारा सौभाग्य है कि अशोक गहलोत हमारे मुख्यमंत्री हैं, इसलिए सरकार बच गई।

बीकानेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में आपदा प्रबंधन मंत्री ने विधायकों की खरीद-फरोख्त कर सरकार बदलने की कोशिश का मुद्दा फिर से उठा दिया। उन्होंने कहा, मेरे पास भी फोन आया था। मेरे पास इसकी टेप भी पड़ी है, लेकिन मैं इस बात को ज्यादा नहीं बढ़ाना चाहता। उन्होंने कहा, कल पार्टी भी कहेगी क्या बोल गए, मैं बहुत सोच-समझकर बोल रहा हूं। अगर गहलोत नहीं होते तो सच्चाई ये है कि हमारी सरकार नहीं बचती। गोविंद राम ने कहा, बीकानेर से सरकार ने तीन मंत्री बनाए हैं। तीन ही जीते थे। कुछ और मंत्री स्तर के पद दिए हैं। ऐसे में जो सीधे मंत्री बने हैं, उनकी आगामी चुनाव में जिम्मेदारी ज्यादा है। उन्हें ज्यादा मेहनत से लगकर इस बार सरकार रिपीट करवाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि एकजुट होकर काम करें। निजामुद्दीन भी मौजूद रहे। उन्होंने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी हर कहीं लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास करती है। कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गोवा में वो ऐसा कर चुकी है। हर जगह विधायकों की खरीद-फरोख्त करके सरकार बनाती है। गोवा में तो हमारा बहुमत था, फिर भी भाजपा ने सरकार बनाई। भाजपा की ये ही नीति है कि जैसे-तैसे सरकार बना लो। हमारे विधायक और नेता मजबूती से डटे रहेंगे तो भाजपा का ये प्रयास सफल नहीं होगा।

रिकॉर्डिंग पर चुप रहे एआईसीसी सचिव काजी निजामुद्दीन ने रिकॉर्डिंग वाले मामले से पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा, उनसे बात हुई है तो ये जांच का विषय है। वे ही बता सकेंगे।

गहलोत और सचिन पायलट विवाद के बीच गोविंद राम पहले भी गहलोत के पक्ष में बयान दे चुके हैं। सितम्बर 2022 में भी वे कह चुके हैं कि अगर अशोक गहलोत को हटाकर किसी को मुख्यमंत्री बनाया तो हम सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे और मध्यावधि चुनाव के लिए भी तैयार रहना चाहिए। वे यह भी कह चुके हैं कि अशोक गहलोत मुख्यमंत्री नहीं होते तो हम मंत्री नही बनते।

'सरकार संविदा कर्मियों के साथ अपना रही है दोहरा रवैया'

जयपुर, (का.सं.)। संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा राजस्थान के प्रदेश महासचिव रामस्वरूप टांक ने कहा कि राज्य सरकार संविदा कार्मिकों के साथ दोहरा रवैया अपना रही है जिससे सभी संविदा कार्मिकों में भारी रोष है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा 2018 में सत्ता में आने से पहले अपने जन घोषणा पत्र में राजस्थान के सभी संविदा कार्मिकों को नियमित करने की बात कही थी। परंतु राजस्थान सरकार ने 2021 के बजट में संविदा कार्मिकों के लिए अलग से कैडर बनाने की घोषणा की। वर्ष 2022 में राजस्थान "राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022" नियम बनाने की घोषणा की। उसके बाद राजस्थान के सभी संविदा कार्मिकों के लिए कार्मिक विभाग ने 11 जनवरी 2022 को नियम जारी किये। इन नियमों में पहले से कार्यरत संविदा कार्मिकों को इन नियमों में शामिल करने हेतु दिशा निर्देश जारी किये। परंतु पुर्व की सेवा अवधि अनुभव की गणना शून्य कर दी गई है। संविदा कार्मिकों के भारी विरोध व प्रदर्शन के कारण 2023 के बजट में संविदा कार्मिकों की "राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022" के अंतर्गत पूर्व की सेवा अवधि अनुभव की गणना अन्य सेवा से आईएएस चयन पर की जाने वाली अनुभव अवधि गणना वाले पैटर्न पर किये जाने की घोषणा की। इससे केवल 8-10 फीसदी संविदा कार्मिकों के नियमितीकरण की राह परस्त हो रही। परंतु आज तक इस अनुभव पैटर्न का कोई आदेश जारी नहीं हुआ है।

ब्राह्मण महासंगम जयपुर में तीन सितम्बर को

सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने शनिवार को दौसा में बाह्मण महासंगम के पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आगामी 3 सितम्बर को जयपुर में ब्राह्मणों का महासंगम होगा। जिसकी शुरुआत आज दौसा जिले से हो चुकी है। जिसमें प्रदेश के हर बूथ से कम से कम 10 ब्राह्मणों को आमंत्रित किया जायेगा। इसके लिये प्रदेश के कुल 51 हजार बूथों पर समाज के बंधुओं से सम्पर्क किया जायेगा और 200 विधानसभाओं के प्रभारी बनाये जा रहे है। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि आज दौसा जिले में लालसोट रोड स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में प्रेस कॉन्फ्रैंस एवं मीटिंग आयोजित की गई जिसमें 3 सितम्बर को होने वाले महासंगम के प्रति समाज का जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसलिए इस बार पहली बार प्रदेश की 200 की 200 विधानसभाओं से समाज बंधुओं को जयपुर बुलाया जाएगा और समाज हित में जो भी निर्णय इस महासंगम में लिये जायेगें उन्हें समाज के हर तबके तक पहुंचाया जायेगा।

मिश्रा ने बताया कि इस महासंगम में ब्राह्मण अस्मिता को मजबूत करने, समाज को एकजुट करने साथ ही राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से समाज की ताकत को बढाना, एकमात्र उद्देश्य होगा। मुख्य एजेंडे के रूप में 14 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग, भगवान परशुराम विश्वविद्यालय की स्थापना, भगवान परशुराम जी की 111 फीट प्रतिमा की स्थापना, प्रत्येक जिले में गुरुकुल की स्थापना, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में हो रही विसंगतियों को दूर करना, ब्राह्मण आरक्षण आंदोलन के समय लगाये गये मुकदमों को वापिस लेना, ब्राह्मण बालिकाओं के लिये छात्रावास की स्थापना सहित अन्य प्रस्ताव इस महासंगम में लिये जायेगें। महासभा ने समाज को एकजुट करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम हाथ में ले रखे है। जिसमें सामूहिक विवाह, सामूहिक उपनयन संस्कार, ज्योतिष कर्मकाण्ड शिविर, छात्रवृत्ति देने सहित अनेका अनेक कार्यक्रम महासभा द्वारा किये जा रहे है। जिन्हे प्रत्येक गांव, तहसील तक पहुंचाया जाये। इस पर भी चर्चा होगी। साथ ही पुरे प्रदेश में ब्राह्मणों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढे, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में राजनीतिक आरक्षण भी हो, ये सब विषय भी इस महासंगम में रखे जायेंगे।

मिश्रा ने बताया कि महासभा ने एक लम्बी लड़ाई ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिये लडी थी। उस समय भी महासभा ने लाखों-लाख ब्राह्मणों की आरक्षण रैलियां आयोजित की थी और सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने उस समय महासभा के मंच पर आकर समर्थन दिया था। महासभा ने लक्ष्य तय किया है कि इस बार विधानसभा चुनाव में समाज का प्रतिनिधित्व बढ़े और समाज एकजूट होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें।

मुख्यमंत्री भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ जांच के लिए ए.सी.बी. को आदेश क्यों नहीं दे रहे : सी.पी. जोशी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने यह भी कहा कि मुख्यमन्त्री भ्रष्टाचार पर अपनी ज़ीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियां खुद उड़ा रहे हैं

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार मामले पर बयान जारी कर कहा कि भ्रष्ट अफसरों और कर्मचारियों में कानून और प्रशासन का डर समाप्त हो चुका है, क्योंकि एसीबी में दर्ज 500 से ज्यादा मामले ऐसे हैं, जिसमें आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की अभियोजन स्वीकृति अधर झूल में है। सिर्फ 13 मामलों में मंजूरी मिली है और 29 में स्पष्ट मना कर दिया गया। इससे यह माहौल बन गया है कि यदि एसीबी पकड़ भी लेती है, तो लचर कानून व्यवस्था के चलते वे इससे बरी हो जाएंगे। प्रदेशअध्यक्ष जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत भले ही पिछले साढे 4 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार में लिप्त कार्मिकों के खिलाफ सर्वाधिक कार्रवाई को लेकर अपनी पीठ थपथपा लें, लेकिन वास्तविकता में आंकड़े इसके बिल्कुल विपरीत हैं। गहलोत स्वयं भ्रष्टाचार पर अपनी जीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने एसीबी को बिना दांत और पंजों वाला शेर बना दिया है जो सिर्फ गुर्रा सकता है, कुछ बिगाड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद एसीबी ने पिछले साढ़े 4 वर्षों में सैकड़ों मामले दर्ज किए, लेकिन 500 से ज्यादा मामले ऐसे हैं, जिनमें रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के बावजूद उन अधिकारियों तथा कर्मचारियों के खिलाफ उनके विभागों से अभियोजन स्वीकृति नहीं मिल रही। क्या प्रदेश के अफसरों पर मुख्यमंत्री की इतनी पकड़ भी नहीं है कि वह इन मामलों पर तुरंत स्वीकृति दे या फिर स्वयं मुख्यमंत्री ही नहीं चाहते कि भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई हो। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने यह भी कहा कि एसीबी को पूर्णकालिक डीजी कब तक मिलेगा।

प्रदेश में केवल दो ही नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को केवल दो ही नए करोना संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच किसी भी मरीज के ठीक नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 12 हो गए हैं।

प्रदेश में शनिवार को बीकानेर और जोधपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इससे पहले राज्य में शुक्रवार को छह रोगी पाए गए थे। इधर आज प्रदेश में 1927 कोविड जांच की गई है।

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में किसी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 12 हो गए हैं। इनमें जयपुर में 4, उदयपुर व बीकानेर में 3-3 और जोधपुर में 2 एक्टिव केस मौजूद है। प्रदेश में शनिवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9734 लोगों की मौत हो चुकी है।

निर्माण कार्यों की होगी 'डिजिटल मॉनिटरिंग'

जयपुर। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में सभी प्रकार के निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए उनकी 'डिजिटल मॉनिटरिंग' का 'मैकेनिज्म' तैयार किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने इसके लिए अधिकारियों को 'सॉफ्टवेयर' तैयार करने के निर्देश दिए है। जैन ने शनिवार को शिक्षा संकुल में बैठक की अध्यक्षता करते हुए समठा शिक्षा अभियान के तहत राज्य के स्कूलों में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की ।

वायरल के कारण रिबाकिना फ्रेंच ओपन से बाहर

पैरिस, 3 जून। कज़ाखस्तान की चौथी वरीयता प्राप्त एलीना रिबाकिना ने वायरल बुखार के कारण शनिवार को ग्रैंड स्लैम आयोजन फ्रेंच ओपन 2023 से नाम वापस ले लिया। विंबलडन 2022 की चैंपियन रिबाकिना को तीसरे दौर के मैच में स्पेन की सारा सोरिबेस टॉर्मो का सामना करना था, लेकिन बुखार के कारण उन्होंने सारा को वॉकओवर दे दिया। रिबाकिना ने संवाददाताओं से कहा, "मैं कल और उससे पिछले दिन अच्छा महसूस नहीं कर रही थी। मैं सो नहीं सकी और मुझे बुखार भी था। आज मैंने अभ्यास करने की बहुत कोशिश की लेकिन मेरे हिसाब से सही फैसला यही है कि मैं बाहर हो जाऊं, क्योंकि इस हालत में खेलना बहुत कठिन है।"

जनवरी 2024 में टेस्ट से संन्यास ले सकते है वॉर्नर

बेकेनहैम, 3 जून। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अगले साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट शृंखला के दौरान अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने टेस्ट करियर को विराम देने पर विचार कर रहे हैं। लंबे समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे वॉर्नर ने पिछले दो वर्षों में 17 टेस्ट खेलकर केवल एक शतक बनाया है। उन्होंने कहा था कि वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करना चाहते हैं, लेकिन अब उन्होंने टेस्ट करियर को लेकर नयी सूचना दी है।

जूनियर विश्व कप : भारतीय निशानेबाज संयम ने स्वर्ण जीता

सुहल, 3 जून। भारत की संयम ने शनिवार को आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। संयम ने आठ महिलाओं के फाइनल में 238 स्कोर किया । भारत की सुरूचि इंदर सिंह 154 . 1 अंक लेकर छठे स्थान पर रही। कोरिया की किम मिनसियो को रजत पदक मिला जबकि चीनी ताइपै की लियू हेंग यू ने कांस्य पदक जीता । संयम क्वालीफिकेशन दौर में 571 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर थी जबकि सुरूचि पांचवें स्थान पर रही थी । संयम ने फरवरी में खेलो इंडिया युवा खेलों में महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था ।

भारत ने ब्रिटेन को शूटआउट में हराया

लंदन, 3 जून। भारत ने एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन को शूटआउट में 4-2 (4-4) से मात दी। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (सातवां मिनट), मनदीप सिंह (19वां मिनट), सुखजीत सिंह (27वां मिनट) और अभिषेक ने गोल किये, जबकि ब्रिटेन की ओर से सैम वॉर्ड (आठवां, 40वां, 47वां मिनट, 53वां मिनट) ने चार गोल दागकर मुकाबले को शूटआउट में पहुंचा दिया। शूटआउट में हालांकि भारत का पलड़ा साफ तौर पर भारी रहा। मेहमान टीम की ओर से मनप्रीत, हरमनप्रीत, ललित और अभिषेक ने गोल किये।

ब्रिटेन के लिये कालनन और ज़ैकरी वॉलेस ही गोल कर सके। पिछले मैच में ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 5-1 से हराने के बाद भारतीय टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरी। ब्रिटेन ने तीसरे मिनट में खाता खोलने का प्रयास किया लेकिन युवा गोलकीपर कृष्णा पाठक ने इस प्रयास को असफल कर दिया। ब्रिटेन छठे मिनट में मिली पेनल्टी कॉर्नर पर भी गोल नहीं कर सका। जबकि एक मिनट बाद हरमनप्रीत ने शॉर्ट कॉर्नर पर गोल करके भारत का खाता खोल दिया। मेहमान टीम की बढ़त हालांकि कुछ देर तक ही रही और वॉर्ड ने दर्शनीय ड्रैग फ्लिक के साथ गेंद को नेट में पहुंचाकर स्कोर बराबर कर दिया।

ब्रिटेन 15वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सका लेकिन क्वार्टर खत्म होने से पहले भारत की बढ़त समाप्त कर दी थी। दूसरे क्वार्टर में भी भारत की फॉरवर्ड पंक्ति ने जौहर दिखाने का मौका नहीं छोड़ा।अभिषेक 18वें मिनट में गेंद को लेकर ब्रिटेन के सर्किल में पहुंच गये। वह इस मौके को गोल में नहीं बदल सके, लेकिन मनदीप ने अगले ही मिनट में गेंद को गोली की रफ्तार से ब्रिटेन के नेट में पहुंचा दिया। बढ़त लेने के बाद भी भारत की रफ्तार कम नहीं हुई और हाफ टाइम से दो मिनट पहले सुखजीत ने हार्दिक सिंह की मदद से मेहमान टीम का तीसरा गोल किया। हार की ओर बढ़ रही ब्रिटेन को आक्रामक हॉकी खेलने की जरूरत थी, जो सैम वॉर्ड की ओर से देखने को मिली। उन्होंने 40वें मिनट में मजबूत ड्रैग फ्लिक मारकर ब्रिटेन का दूसरा गोल किया, जबकि चौथे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में उन्होंने भारतीय सर्किल को भेदकर स्कोर बराबर कर दिया। अभिषेक ने भारत को एक बार फिर बढ़त की स्थिति में पहुंचाया लेकिन वॉर्ड ने अपना चौथा गोल करते हुए एक बार फिर स्कोर बराबर कर दिया। विजयी गोल तलाशने की दोनों टीमों की पुरज़ोर कोशिशों के बावजूद मैच बराबरी पर खत्म हुआ। अंततः भारत ने शूटआउट में आकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कालनन और वॉलेस ने भले ही पहले प्रयास में गोल करके ब्रिटेन का खाता खोला, लेकिन इसके बाद सिर्फ वॉलेस ही पाठक के जटिल रक्षण को मात दे सके। दूसरी ओर, भारत ने अपने शुरुआती चारों प्रयासों में सफलतापूर्वक गोल करते हुए मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ भारत प्रो लीग तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। हरमनप्रीत की टीम अब यूरोप दौरे का अंत करने से पहले नीदरलैंड के आइंडहोवन रवाना होगी, जहां उसका सामना मेज़बान डच टीम और अर्जेंटीना से होगा।

वितिदसर्न से हारकर थाईलैंड ओपन से बाहर हुए लक्ष्य

बैंकॉक, 3 जून। युवा भारतीय शटलर लक्ष्य सेन शनिवार को थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में कुनलावुत वितिदसर्न से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। अपनी घरेलू सरज़मीन पर खेल रहे वितिदसर्न ने लक्ष्य को एक घंटे 15 मिनट चले मैच में 13-21, 21-17, 21-13 से मात दी। इस सीजन के पहले फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहे लक्ष्य ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की, लेकिन पहला गेम जीतने के बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके।

पहले गेम में वितिदसर्न तमाम कोशिशों के बावजूद लक्ष्य की बराबरी नहीं कर सके। भारतीय खिलाड़ी ने ब्रेक तक 11-6 की बढ़त लेने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और 21-13 से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में वितिदसर्न ने बेहतर प्रदर्शन किया और ब्रेक तक 11-10 की बढ़त भी बनाई। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार दो अंक स्कोर किये, लेकिन लक्ष्य ने तीन पॉइंट बनाते हुए स्कोर 13-13 पर बराबर कर दिया। उन्होंने थाईलैंड के खिलाड़ी के ज़ोरदार स्मैश का जवाब देते हुए एक समय पर 16-15 की बढ़त भी बना ली।

मैच हारने की कगार पर खड़े वितिदसर्न ने संयम बनाये रखा और 17-17 की बराबरी पर आने के बाद लगातार चार पॉइंट स्कोर करते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। आखिरी गेम में वितिदसर्न ने शुरुआती गलतियां कीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने लय हासिल की। लक्ष्य ने वितिदसर्न की गलतियों का फायदा उठाते हुए 8-6 की बढ़त बनाने के बाद ब्रेक तक एक पॉइंट की बढ़त बरकरार रखी। ब्रेक के बाद हालांकी लगातार चार अंक बटोरते हुए वितिदसर्न 14-11 से आगे हो गये। लक्ष्य ने हार का स्वाद चखने से पहले दो अंक अपनी झोली में डाले लेकिन वितिदसर्न ने 21-13 से गेम जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारत ने उज्बेकिस्तान को हॉकी का पाठ पढ़ाया

काकामिगहारा, 3 जून। भारतीय जूनियर हॉकी महिला टीम ने अपने महिला जूनियर एशिया कप 2023 अभियान की जोरदार शुरुआत करते हुए शनिवार को उज्बेकिस्तान को 22-0 से रौंद दिया। भारत की ओर से अन्नू ने सर्वाधिक छह गोल किये। मुमताज़ ख़ान और दीपिका ने चार-चार गोल किये, जबकि वैष्णवी विट्ठल फालके, सुनेलीता टोपो और दीपिका सोरेंग ने दो-दो गोल जमाये। नीलम और मंजू चौरसिया ने एक-एक गोल का योगदान दिया।

पुरुष जूनियर टीम के एशियाई चैंपियन बनने के दो दिन बाद अपना अभियान शुरू करने वाली जूनियर महिलाओं ने मुकाबले की शुरुआत फ्रंट फुट पर की। फालके ने तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत का खाता खोला, जबकि मुमताज़ ने तीन मिनट बाद फील्ड गोल करके भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। पहला क्वार्टर समाप्त होने से पहले अन्नू ने भी मैच में अपना पहला गोल कर दिया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी मुकाबले पर अपना दबदबा कायम रखा और टोप्पो, चौरसिया, सोरेंग एवं अन्नू के गोलों की मदद से अपनी बढ़त 10 गोल तक बढ़ा ली। हाफ टाइम से पहले मज़बूत बढ़त लेने के बावजूद भारतीय महिलाओं ने बेबस नज़र आ रहे उज़्बेक रक्षण पर कोई तरस नहीं खाया और गोल की बारिश जारी रखी।

तीसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया, जबकि अन्नू ने दो और फील्ड गोल करके भारत की बढ़त 13-0 की। मुमताज़ और दीपिका ने क्वार्टर की समाप्ति से पहले अपना-अपना दूसरा गोल करते हुए इस बढ़त को 15 गोल परक पहुंचा दिया।

चौथे क्वार्टर में नीलम (47वां मिनट) ने अपना खाता खोला, जबकि दीपिका और मुमताज़ ने भी एक-एक गोल दागा। अन्नू ने 51वें मिनट में पेनल्टी पर स्कोर करते हुए अपने छह गोल पूरे किये। फालके ने भी 56वें मिनट में अपना दूसरा गोल जमाया। मैच खत्म होने से पहले दीपिका (56वां मिनट) और मुमताज़ (60वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाकर मुकाबले का ज़ोरदार अंत किया। भारतीय टीम का अगला मुकाबला सोमवार को मलेशिया से होगा।

जोकोविच संघर्षपूर्ण जीत से फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 3 जून। नोवाक जोकोविच ने दर्शकों के एक समूह की नकारात्मक टिप्पणियों के बावजूद अपना धैर्य बनाए रखा और साढ़े तीन घंटे से भी अधिक समय तक चले मैच में जीत दर्ज करके फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया।

जोकोविच को तीसरे दौर के मैच में 29 वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (5), 6-2 से जीता। बाइस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के करियर में यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में तीन सेट में जीत दर्ज करने के लिए तीन घंटे 36 मिनट का समय लिया। इस बीच दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हाल की राजनीतिक टिप्पणियों के लिए उन पर ताने भी कसे। जोकोविच इससे नाखुश दिखे। उन्होंने बाद में कहा," अधिकतर दर्शक टेनिस का आनंद लेने या किसी खिलाड़ी का समर्थन करने के लिए आते हैं, लेकिन यह कुछेक दर्शक हैं जो आपके हर काम का मजाक उड़ाना चाहते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मुझे अपमानजनक लगता है।" जोकोविच के अलावा पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज, पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास और आठवीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचनोव आगे बढ़ने में सफल रहे। अन्य मैचों में लोरेंजो सोनेगो ने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को , जबकि जुआन पाब्लो वरिलास ने नंबर 13 ह्यूबर्ट हर्कज को 3-6, 6-3, 7-6 (3), 4-6, 6-2 से उलटफेर का शिकार बनाया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, डारिया कसात्किना, स्लोएन स्टीफंस, एलिना स्वितोलिना और 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा ने चौथे दौर में प्रवेश किया।

भारत के 2011-12 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल अंगूठे के साथ खेले थे तेंदुलकर

मुंबई, 3 जून। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने बताया है कि आस्ट्रेलिया के 2011.12 के दौरे पर वह पैर के अंगूठे की चोट के साथ खेले थे जिसके दर्द ने उन्हें काफी परेशान किया था। तेंदुलकर के पैर के अंगूठे में वर्ष 2000 में चोट लगी थी जो अगले साल फिर उभर गई जिसकी वजह से वह श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला नहीं खेल सके थे ।

भारत ने अप्रैल 2011 में 50 ओवरों का विश्व कप जीता था लेकिन टेस्ट टीम इसी साल इंग्लैंड से 0.4 से हार गई थी । तेंदुलकर ने अपनी मराठी किताब 'शतकांत एकच' के विमोचन के मौके पर कहा, "वर्ष 2000 में दक्षिण अफ्रीका में मुझे अंगूठे में चोट लगी थी जिसके बाद मैने इंजेक्शन भी लिये । यह चोट 2011 विश्व कप के बाद उभर गई । अभी तक मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ ।" उन्होंने कहा, "मैं छुट्टी पर लंदन में था और वहीं से भारतीय टीम से जुड़ने जा रहा था ।" तेंदुलकर ने मराठी में कहा कि उन्हें इतना दर्द हो रहा था कि वह सहन नहीं कर पा रहे थे और स्थानीय डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी कराने के लिये कहा । उन्होंने कहा ," आस्ट्रेलिया में दर्द बर्दाश्त नहीं हो रहा था । मैने पट्टी बांधी, दो बार इनसोल बदले और किसी तरह खेल रहा था । मेरी हताशा बढती जा रही थी । आस्ट्रेलिया में मैदान काफी कड़े हैं जिससे परेशानी और बढ गई । डॉक्टरों ने कहा कि आपरेशन कराना होगा ।" तेंदुलकर ने कहा कि उनकी पत्नी अंजलि 48 घंटे के भीतर भारत से आस्ट्रेलिया पहुंची और सही फैसला लेने में मदद की। उन्होंने कहा, " मुझे दौड़ना पड़ता था तो मेरा दर्द बढता जा रहा था । मैने डॉक्टर से बात की जिन्होंने सर्जरी का सुझाव दिया और मेरा दूसरा पैर भी दर्द कर रहा था । मैने अंजलि को बताया और कहा कि यह दर्द और सहन नहीं हो रहा और सर्जरी करा लेते हैं ।" उन्होंने कहा ," मैने कहा कि मैं टीम को बता रहा हूं कि मैं खेल नहीं सकता । मुझे दर्द हो रहा है और बहुत मुश्किल हो रही है । यह सुनकर अंजलि 48 घंटे के भीतर ब्रिसबेन आ गई और मुझे सर्जरी कराने से रोका ।" इस मौके पर पूर्व क्रिकेटर किरन मोरे, जहीर खान, प्रवीण आम्रे और पूर्व कोच अंशुमान गायकवाड़ ने भी तेंदुलकर के साथ अपनी यादें साझा की ।

काउंटी अनुभव डब्ल्यूटीसी के लिए फायदेमंद होगा : लाबुशेन

लंकाशर, 3 जून। पिछले दो महीनों से इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में ग्लैमोर्गन के लिये खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को उम्मीद है कि यह अनुभव सात जून से भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उनके काम आयेगा। लाबुशेन की टीम के कई साथी जहां अप्रैल-मई में भारत में आईपीएल खेल रहे थे, वहीं लाबुशेन ने इस दौरान इंग्लैंड के माहौल में ढलने का प्रयास किया। उन्होंने काउंटी क्रिकेट की अपनी शानदार फॉर्म का सबूत देते हुए आठ पारियों में दो शतकों की मदद से 504 रन बनाये और उन्हें उम्मीद है कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल और उसके बाद होने वाली एशेज़ टेस्ट शृंखला में इस प्रदर्शन को बरकरार रख सकेंगे। लाबुशेन ने आईसीसी के साथ बातचीत में कहा, "मैं यहां (काउंटी क्रिकेट मे) पिछले पांच सालों से आ रहा हूं। अब यह मेरी आदत का हिस्सा बन गया है। मुझे यहां आना और काउंटी क्रिकेट खेलना पसंद है। मुझे ग्लैमोर्गन की टीम पसंद है।"

उन्होंने कहा, मैं यहां खेलने का बहुत आनंद लेता हूं इसलिये बार-बार लौटकर आता हूं। यह मेरे लिये अच्छा है कि इस साल (विश्व) टेस्ट चैंपियनशिप पा फाइनल और एशेज़ भी है। उस सीरीज में बढ़ते हुए यह (अनुभव) मेरे लिये फायदेमंद होगा।"

भारत और ऑस्ट्रेलिया को सात जून से होने वाले खिताबी मुकाबले में लंदन के द ओवल मैदान पर भिड़ना है। एक अनुभवी बल्लेबाज होने के नाते लाबुशेन समझते हैं कि इस अहम मैच में उनके ऊपर रन बनाने की ज़िम्मेदारी होगी। लाबुशेन ने कहा, "कोई भी ऑस्ट्रेलिया के लिये नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेगा तो उसके ऊपर ज़िम्मेदारी होगी ही। मैं जब 2019 में (एशेज़ टेस्ट सीरीज के लिये) यहां आया था जो रन बनाना मेरी जिम्मेदारी थी। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो वे मेरी जगह किसी और को ढूंढ लेते।"

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगा कि अब कुछ भी बदला है। हमें रन बनाने की और ज्यादा से ज्यादा मैचों में टीम की जीत में योगदान देने के तरीके खोजने की जरूरत है।" डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले भारत ने चार टेस्ट मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी की थी, जहां लाबुशेन आठ पारियों में सिर्फ एक अर्द्धशतक ही बना सके थे। भारतीय परिस्थितियों में भले ही स्पिनरों ने लाबुशेन को परेशान किया हो, वह जानते हैं कि द ओवल पर उन्हें तेज गेंदबाजों के विरुद्ध सावधान रहना होगा।

लाबुशेन ने कहा, "हमने दो महीने पहले भारत का सामना किया था। उस लिहाज़ से देखें तो मैं उनकी गेंदबाजी और योजनाओं को अच्छी तरह समझता हूं। ड्यूक की गेंद से हालांकि वह अपना कौशल कई गुणा बेहतर तरीके से दिखाने वाले हैं।"

'पप्पू फॉर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पास अब प्रोजैक्ट पप्पू को पलट कर उस ब्रैंड को उभार कर राहुल गांधी के पक्ष में करने का अवसर है।

दिलीप चेरियन, जो कम्यूनिकेशन कन्सल्टेंट तथा राजनैतिक प्रचार सलाहकार हैं ऐसा महसूस कर रहे हैं कि अगर कांग्रेस प्रोजैक्ट पप्पू का उपयोग अपने लाभ के लिये करे तो उसे बहुत कम खर्च पर बहुत अच्छा लाभ मिल सकता है। चैरियन ने इस विचार पर जोर देते हुये कहा, "लेकिन ऐसा करने के लिये, निन्दा परक प्रचारक की नकारात्मकता को पहले मज़ाक का रूप देना तथा फिर से उसे सकारात्मक रूप देना होगा। अगर आप ऐसा कर सकते हैं, तो आप इसका लाभ ले सकते हैं।"

यह तीन चरणों की प्रक्रिया है आपको नकारात्क धारणा को मज़ाक में लेना है फिर उस मज़ाक को "हास्य" में बदलना और फिर इसे सकारात्मक रूप देना है। इसमें बहुत ज्यादा प्रयास की जरूरत है। लेकिन इससे भारी लाभ हो सकता है। उदाहरण के लिये भाजपा ने अगर प्रोजैक्ट पप्पू पर 100 करोड़ रू. खर्च किए हैं तो आपको तीन चरणों की इस प्रक्रिया पर 20-25 करोड़ रू. ही खर्च करने होंगे, पर बदले में 125 करोड़ रू. का लाभ मिलेगा।

चेरियन ने कहा, यह त्रिस्तरीय प्रक्रिया है आपको नैगटिव को मज़ाकिया व मज़ाकिया को हास्यप्रद फिर इसको सकारात्मक बनाने की जरूरत है। उन्होंने उदाहरण दिया "पप्पू पास हो गया", फिर पप्पू हास्यप्रद है और पास हो गया सकारात्मक है। यह प्रक्रिया का मूल है। कारपोरेट जगत में ऐसा ही होता है पर इसमें समय लगता है। उदाहरण के लिये जब के.एफ.सी. (कैंटकी फ्राइड चिकन) भारत आया था तो इसे तंदूरी चिकन से भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था। चेरियन ने बताया कि तब के.एफ.सी. को तंदूरी चिकन का नया अवतार बताया गया। के.एफ.सी. ने हास्य का सहारा लिया फिर इसे सकारात्मक बना दिया। पर इसमें समय लगता है। क्या कांग्रेस पास इसके लिये समय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में से दो राज्यों के चुनाव जीतने ही होंगे अगर यह ऐसा कर पाई तो "पप्पू" को सकारात्मकता में बदल देगी। क्योंकि कर्नाटक यह पहले ही जीत चुकी है। बैंगलोर के ब्रांडिग एक्सपर्ट श्रीधर रामानुजम, जो उच्च स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय व भारतीय ब्रांड्स के साथ काम कर चुके हैं, का कहना है कि "पप्पू फॉर पी.एम." जैसी बात कहना कांग्रेस के लिए काम कर सकता है। पर इसके लिये कम्युनिकेशन के क्षेत्र में बहुत तेज दिमाग की जरूरत होगी जो इस सुपर ब्रांड से फायदा उठा सके और "पप्पू" शब्द को याद दिलाते हुए यह समझा सके कि अब "पप्पू" बहुत होशियार हो गया है और इसी आधार पर प्रचार अभियान चलाए।

भाजपा ने बहुत ही व्यवस्थित तरीके से राहुल गांधी की छवि को नष्ट किया जबकि वे ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। निश्चित रूप से वे स्मार्ट हैं, चतुर हैं और उनका अपना एजेंडा है। लेकिन भाजपा ने उनके लिए ऐसा प्रचार किया और यह धारणा बना दी कि उनके इर्द गिर्द सब कुछ नैगटिव है, वे अयोग्य हैं और सिर्फ पारिवारिक विरासत की वजह से राजनीति में हैं।

हालांकि कोई अधिकृत अनुमान उपलब्ध नहीं है पर भाजपा और मीडिया ने गत कई वर्षों में करोड़ों रू. खर्च कर लोगों के दिलो दिमाग में यह धारणा बिठाई है कि नेहरू-गांधी परिवार के उत्तराधिकारी राहुल गांधी धीर गंभीर नहीं है, वे किसी भी लायक नहीं हैं और "पार्ट टाईम" नेता हैं। इस प्रचार का असर यह रहा कि "पप्पू" शब्द के उल्लेख मात्र से ठहाका गूंज उठता। अगर आप नेता है तो ऐसी जन प्रतिक्रिया के साथ रहना खतरनाक है।

एक्सिडेंट के कारण

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रेन सं. 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस और ट्रेन सं. 12864 सर एम विश्वेश्वरैया बेंगलुरु सिटी-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस दो जून को बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास लगभग 18.55 बजे पटरी से उतरने के कारण खडगपुर भुवनेश्वर खंड पर रेल यातायात पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। रेलवे के इंजीनियर मार्ग को साफ करके यातायात बहाल करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। रेलवे के सूत्रों के अनुसार यह सदी की सबसे बड़ी रेल दुर्घटना मानी जा सकती है।

'दुनिया में ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गति से हो रहा है।"भारतीय रेल्वे गत कुछ वर्षों से वंदे भारत रेलों के विज्ञापन, स्टेशन विकास, हाई पावर लोकोमोटिव व आधुनिक कोच की खरीद पर काफी खर्च करता रहा है इसकी तुलना में सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर बहुत ही कम ध्यान दिया गया है।

इसका एक उदाहरण है। भारतीय रेल्वे के 68,043 किलोमीटर के रूट में मात्र 3000 किलोमीटर ही एंटी कॉलिज़न सिस्टम से कवर्ड है। गत दशकों में इस तकनीक का कई बार नाम बदला गया। इस पर कई चचाएं हुई, मीटिंग्स हुई, पर इस पर बहुत धीमी गति से प्रगति हो रही है।

"ट्रेन प्रोटेक्शन वॉर्निंग सिस्टम्स", जिसका उपयोग यूरोपियन रेल्वे में हो रहा है, भारतीय रेल्वे मेनलाइन नैटवर्क पर चेन्नई सब अर्बन रेल्वे, कोलकाता मेट्रो तथा दिल्ली-आगरा मार्ग पर रेल्वे में यह व्यवस्था लागू करने प्रारम्भिक ठेके दिए जाने के बाद वस्तुत: रूक गया था। अस्सी के दशक में, भारतीय रेल्वे ने मुम्बई उपनगरीय रेल सेवा में "ऑग्ज़ियलिअरी वॉर्निंग सिस्टम (ए.डब्ल्यू.एस.) उपलब्ध करा दिया गया था, लेकिन उसके बाद उपयुक्त "ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्टशन सिस्टम" को निर्णायक रूप नहीं दिया गया। यह सिस्टम दुनिया में हर जगह अस्तित्व में है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रिय प्रोजैक्ट "कवच" दक्षिण-मध्य रेल्वे के केवल 1500 किमी के टुकड़े पर ही संचालित है। अभी हाल ही में, दिल्ली-हावड़ा तथा दिल्ली-मुम्बई रेल मार्गों पर इस सिस्टम को लगाने के ठेके दे दिये गये हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की बड़ी-बड़ी तस्वीरें उस समय अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उस समय जोर-शोर से आई थीं, जब उन्होंने गत वर्ष मार्च में "कवच" सिस्टम की क्षमता के परीक्षण के लिये ट्रेन के इंजन में बैठकर यात्रा की थी।

ट्रायलों, जिनमें रेल्वे बोर्ड के सी.ई.ओ. भी मौजूद थे, में ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटैक्शन सिस्टम भी शामिल था, ट्रायल में एक ही ट्रैक पर विपरीत दिशाओं से पूरी रफ्तार से आ रही दो ट्रेनों की टक्कर भी शामिल थी।

साफ बात तो यह है कि यह सब समय-पूर्व किया गया प्रचार-प्रसार था क्योंकि सही बात यह है कि भारतीय रेल्वे को तकनीकी पक्ष तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन के मामले में साफतौर पर अभी बहुत लम्बा रास्ता तय करना है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल के पति शरद खंडेलवाल की कुशलक्षेम पूछी। शरद खंडेलवाल का हाल ही ऑपरेशन हुआ था।

'अगर हमारी सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। उन्होंने कहा, "भारत ऐसा अनुभव कर रहा है कि कुछ लोगों का एक ग्रुप ऐसा है, जिस पर अपार धन है तथा दूसरी और बहुत बड़ी, बहुत ज्यादा बड़ी संख्या में ऐसे भारतवासी हैं, जो गरीब हैं और संघर्ष कर रहे हैं, आय की जबरदस्त असमानता है और बेरोजगारी है।"राहुल गांधी ने कहा कि इस चीज को हम कैसे देखते हैं और भाजपा कैसे देखती है-दोनों के सोच में मुख्य अन्तर यह है कि हम सत्ता के विकेन्द्रीकरण में विश्वास करते हैं। उन्होंने दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के बीच के मूल एवं महत्वपूर्ण अन्तर को समझाते हुये कहा, "हम छोटे और मँछोले उद्योगों का समर्थन करने में विश्वास रखते हैं और मानते हैं कि ये भारत की ग्रोथ के इंजन हैं, उनकी प्रवृत्ति एवं झुकाव गिने-चुने चंद लोगों में सत्ता एवं धन को केन्द्रित कर देने की है। इस प्रकार, मैं यह कहना चाहूँगा कि (दोनों पार्टियों के) आर्थिक दृष्टिकोण में अंतर है।" जब उनसे यह पूछा गया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तथा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिये क्या-क्या परिवर्तन किये जायेंगे, तो कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में एक बहुत विशाल तंत्र एवं व्यवस्था पहले से ही मौजूद है, वह व्यवस्था कमजोर कर दी गई है, लेकिन ऐसा कतई नहीं है कि कोई तंत्र अस्तित्व में है ही नहीं। अगर लोकतांत्रिक संवाद को पोषित-प्रोत्साहित किया जायेगा तो ये मुद्दे स्वयं ही ठीक हो जायेंगे, निपट जायेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत में इस समय कानून का शासन है, उन्होंने साफ-साफ और नि:संकोच कह दिया "नहीं, ऐसा नहीं है।....."आपके पास संस्थाओं का ऐसा सैट होना अनिवार्य है, जो न तो किसी दबाव में हो और न किसी के नियंत्रण में हो, और भारत में यह मानक चलता आया है।

अब भारत में इससे अलग हटा जा रहा है। हमारी नजर में, भारत में लोकतंत्र की बुनियाद बहुत मजबूत है तथा उसे संरक्षण मिलता है, लेकिन इस समय सब कुछ बाधित एवं अस्तव्यस्त हो रहा है।" भारत में प्रैस की आजादी की स्थिति से संबंधित सवाल पर, मेहमान नेता ने नकारात्मकतापूर्ण जवाब दिया और कहा कि तथ्य यह है कि प्रैस की स्वतंत्रता कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा, "यह कोई छिपी हुई चीज नहीं है। इस बात को सब जानते हैं। भारत में यह साफ दिखाई दे रहा है। शेष सारा संसार इस चीज को देख सकता है और मेरा मानना है कि प्रैस की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिये बहुत-बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो इस माह के अंत में अमेरिका यात्रा पर जा रहे हैं, पर कटाक्ष करते हुये राहुल गांधी ने कहा: "यह प्रश्न तो आपको मोदी जी से पूछना चाहिये। ज्यादा उपयुक्त होगा।

ममता बनर्जी...

कम्यूनिकेशन गैप पर उंगली उठाई। इस दौरान ममता बनर्जी ने अपने बयान में मृतकों का आंकड़ा गलत बताया तो रेल मंत्री ने सुधार करते हुए कहा कि, मृतकों की संख्या 500 नहीं बल्कि 238 है।

ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या 288 हुई, 800 लोग घायल हुये हैं

बालासोर, 3 जून (वार्ता)। प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार की शाम हुई भीषण रेल दुर्घटना को 'अत्यंत गंभीर' बताया और कहा कि इसकी जांच के निर्देश दिए गए हैं और जो भी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। जैसा कि विदित है कि, ओडिशा के बालासोर के बहनगा बाज़ार रेलवे स्टेशन के निकट हुई ट्रेन दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई और 800 से अधिक यात्री घायल हुए हैं जिनमें 56 लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। उन्होंने दुर्घटना स्थल पर राहत कार्य की समीक्षा करने और अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने के बाद बालासोर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस दुर्घटना से सीख लेकर नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर किया जाएगा। मोदी ने अधिकारियों को घायलों और उनके परिजनों की आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखने का निर्देश दिया है।

गत नौ सालों में मैडिकल कॉलेजों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये फैकल्टी की भर्ती के लिए स्वतंत्र, पारदर्शी प्रक्रिया तथा मानकों को साफ तौर पर परिभाषित करती है। फैकल्टी को अनुमोदित ढांचे के अंतर्गत पाठ्यक्रम संबंधी तथा शैक्षणिक तौर-तरीके अपने निजी स्तर पर तैयार एवं विकसित करने की स्वतंत्रता होगी। श्रेष्ठ फैकल्टी को समुचित पुरस्कारों, पदोन्नतियों, मान्यताओं तथा संस्थानिक नेतृत्व में पहुंचाने के माध्यम से प्रोत्साहित किया जायेगा तथा मूलभूत मानकों के अनुरूप काम न करने वाली फैकल्टी इसके लिये जवाबदेह ठहराया जायेगा। लेकिन असलियत यह है कि मैडिकल कॉलेजों में यह चीज दिखाई नहीं देती तथा इसलिये ऐसे कॉलेजों को मिली नैशनल मैडिकल कमीशन की मान्यता समाप्त कर दिये जाने की संभावना है। ज्ञातव्य है कि नैशनल मैडिकल कमीशन देश की मैडिकल शिक्षा तथा मैडिकल प्रोफेशनल्स का सर्वोच्च नियामक निकाय है। पूरे देश में 40 मैडिकल कॉलेजों की मान्यता समाप्त कर दी गई है तथा सभी मैडिकल कॉलेजों को एन.एम.सी. को यह दिखाना होगा कि वे निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जो कॉलेज आयोग के निशाने पर हैं, उनमें गुजरात, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडू, पंजाब, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा तथा पश्चिम बंगाल के मैडिकल कॉलेज शामिल हैं। कॉलेजों की कमियाँ कमीशन के अन्डरग्रेजुएट मैडिकल एजुकेशन बोर्ड द्वारा लगभग एक महीने तक किये गये निरीक्षण के दौरान सामने आईं। निरीक्षण के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरों की रिकॉर्डिंग, आधार से जुड़े बायोमैट्रिक अटैन्डेन्स प्रॉसिजर तथा फैकल्टी रोल्स की खामियों की बारीक छानबीन की गई। समझा जाता है कि ये कॉलेज नियमों, शर्तों एवं मानकों की अनुपालना नहीं कर रहे थे, जैसे कैमरे समुचित तरीके से नहीं लगे हुये थे तथा वे सही तरह से काम नहीं कर रहे थे। बायोमैट्रिक फैसिलिटी भी सही तरह काम नहीं कर रही थी। निरीक्षण के दौरान बहुत से पद खाली पाये गये। पिछले 9 वर्षों में, पोस्ट ग्रेजुएशन सीटों की संख्या भी बहुत बढ़ी है। आंकड़े बताते हैं कि स्नातकोत्तर सीटों की कुल संख्या इस समय 65, 335 है, जो 2014 की सीट संख्या के दुगुने से भी ज्यादा है। 2014 में पोस्ट ग्रेजुएट मैडिकल सीटें 31,185 थीं। एम.बी.बी.एस. की 1,01,043 सीटें हैं, जबकि 2014 में कुल 51,348 सीटें थीं। लेकिन 150 मैडिकल कॉलेजों की मान्यता समाप्त होने से करीब एक-चौथाई मैडिकल कॉलेज कम हो जायेंगे। मैडिकल कॉलेजों के पास अपील का विकल्प होगा। पहली अपील 30 दिन के अंदर एन.एम.सी. में की जा सकती है। अगर वहां अपील खारिज हो जाती है तो कॉलेज केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय जा सकते हैं। दिसम्बर में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मण्डाविया ने उन मैडिकल कॉलेजों के खिलाफ कार्यवाही की चेतावनी दे दी थी, जो नियमों का पालन नहीं करते है या समुचित फैकल्टी नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा था, "हमें विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी होगी, हमें अच्छे डॉक्टर तैयार करने होंगे।" 150 मैडिकल संस्थानों की मान्यता समाप्त होने से देश के लिये संकट खड़ा हो जायेगा क्योंकि हमारे देश में मैडिकल कॉलेजों तथा मैडिकल विद्यार्थियों के लिए सीटों की संख्या दशकों से अपर्याप्त चली आ रही है। यहां यह बताना भी प्रासंगिक होगा कि पूरे देश में "फेक" (फर्जी) विश्वविद्यालयों की बाढ़ आई हुई है। रिपोर्ट्स का कहना है कि राजधानी में इस प्रकार "अपने तरीके से संचालित" 8 संदिग्ध विश्वविद्यालय पाये गये, जिन्हें "यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन" (यू.जी.सी.) ने "फेक" घोषित कर दिया है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

JECRC UNIVERSITY™
BUILD YOUR WORLD
NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
NURTURING JECRC TALENT JECRC Foundation
23 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE
Admissions 2023-24
A Leading & Premier University in the Beautiful Land of Jaipur
GOVERNMENT FUNDED RESEARCH GRANT WORTH ₹ 15 Crore
130 PATENTS FILED
107 PUBLISHED
IPR CELL
MINISTRY OF ELECTRONICS AND IT (MeitY) RECOGNISED JECRC INCUBATION CENTRE (JIC) AS G2C CENTRE UNDER TIDE2.0 SCHEME
MEITY STARTUP HUB
2050
PLACEMENT OFFERS
as on 30th April
for Graduates of 2023
1st UNIVERSITY IN INDIA TO BE RECOGNIZED BY AIM, NITI AAYOG AS MENTOR ACADEMY FOR 350+ SCHOOLS OF RAJASTHAN
NITI Aayog
INTRODUCING ADVANCED CERTIFICATION PROGRAM WITH
The Designer's Class
seekho
OFFERING WORLD CLASS COURSES
(Masterfully Designed and Delivered in Collaboration with Corporates)
Engineering & Technology | Computer Applications | Law | Humanities & Social Sciences | Management | Design | Sciences | Mass Communication | Allied Health Sciences | Economics | Hotel Management
JU DIFFERENTIATORS
▪ 2 Large Campuses
▪ 22000+ Alumni in 35 Countries
▪ 15000+ Students currently Enrolled
▪ Students from 29 States & Uts
▪ Extra Ordinary Beyond the Classroom Ecosystem
▪ MPower Cell - Fostering Mental Health Literacy
INDUSTRY COLLABORATION
▪ 1048 Best in Class internships in the year 2023
▪ 10000+ Campus Placements in last 5 years
▪ Academic Collaboration with 35 top notch corporates to offer joint degree programme (Amazon Web Services, UpGrad, Microsoft, Google, Samatrix, Xebia, IBM, Siemens, L&T, TCS, Kalvium)
BEYOND THE CLASSROOM
▪ 52 Startups incubated under JECRC incubation center (JIC)
▪ Grant worth ₹ 12.9 Crore Disbursed to Startups by JIC
▪ 22 Student Clubs driven by Student Council
▪ Makerspace - A Gravitating platform for hardware innovation
▪ IAESTE LC - International internship for aspiring students
#Design_by_JUTeam
SHAKUN
To know more about Admissions: TOLL FREE : 1800 120 5616 | Call: +91- 9116642281 / 9116642285 | Transfer/ Lateral Admission : 9571250558 | website : www.jecrcuniversity.edu.in

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908